DCP Licensing Number: F.2 (P-2) Press/2023

आज का सुविचार

जीवन में जिसने अपनी जीभ को संभालना सीख लिया, वो जीवन को भी संभाल लेगा, क्योंकि जीभ का स्वाद स्वास्थ्य खराब करता है और वाणी संबंध खराब कराती है।

🔃 📆 जिनतीर्थ मंडपम सीबीडी ग्राउंड में चार दिवसीय महानुष्ठान शुरू

📭 🔓 क्या जैविक खाद्य पदार्थ स्वास्थ्यवर्धक हैं या यह सब महँगा घोटाला है?

🛮 🧣 भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज की हुई बैठक, बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

बस मार्शल द्वारा अपनी नौकरी को वापिस पाने के लिए किया हाई लेवल प्रदर्शन

मख्यमंत्री के निवास स्थल कालकाजी पर किया बस मार्शलों द्वारा प्रदर्शन

संजय बाटला

नई दिल्ली। सैकड़ों बस मार्शल आज नेहरू प्लेस इरॉस होटल के सामने पार्क में 10.30 बजे एकत्र हुए और वहां से एकत्र होकर दिल्ली की मुख्यमंत्री के निवास स्थल कालकाजी के लिए रवाना हुए।सभी बस मार्शलों के हाथ में स्लोगन थे और नारे लगाते हुए कालका जी स्थित मुख्यमंत्री निवास की ओर गए। दिल्ली पुलिस के द्वारा लगाए गए बैरिकेट तोड़ते हुए अपनी आवाज सरकार को पहुंचाने का प्रयास किया। अब देखना यह होगा की दिल्ली की आम आदमी पार्टी के कानों में उनकी आवाज पहुंचती है या सता के लोभ में लिप्त सरकार के कान आंख बंद रहते हैं।



विवर्फयर एवाइडोट्सर (पंजीकृत)

TOLWA

website: www.tolwa.in Email: tolwadelhi@gmail.com

bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/

एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय: – ३, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए –४ पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063 कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दिल्ली में तेज रफ्तार कार ने दो बाइक सवारों को मारी टक्कर, दोनों फ्लाइओवर से गिरे नीचे

दिल्ली के विकासपुरी फ्लाईओवर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आ रहा है। जहां पर एक रेज रफ्तार कार ने दो बाइक को ऐसी टक्कर मारी कि दोनों बाइक सवार फ्लाईओवर से नीचे जा गिरे और उनकी बाइक ऊपर ही रह गई। पुलिस ने घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया और केस दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

दिल्ली।विकासपुरी फ्लाईओवर से जा रहे दो अलग-अलग बाइक सवार शख्स को एक आज्ञात तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतना जोरदार था कि दोनों शख्स फ्लाइओवर से नीचे गिर गए। जबिक दोनों बाइक फ्लाइओवर के

इसकी घटना की सूचना राहगीरों ने तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में घायलों को पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है।

चार पहिया वाहन ने मारी जोरदार टक्कर

पुलिस अधिकारी ने बताया कि थाना विकासपुरी क्षेत्र में सोमवार की शाम करीब साढ़े सात बजे एक व्यक्ति के फ्लाईओवर से नीचे गिरने की सूचना मिली। शुरुआती जांच में पता चला है कि



जनकपुरी निवासी आशीष और विवेक सिंह अलग-अलग मोटरसाइकिल पर सवार थे, तभी किसी चार पहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

इससे दोनों फ्लाईओवर से नीचे गिर गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। पुलिस सुत्रों का कहना है कि इस दौरान कार सवार मौके से कार लेकर फरार हो

पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से आरोपित चालक का पता लगाने में जुटी

पूछताछ कर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

मनीषा चौधरी लेडी डॉन केनाम से फेमस

गुरुग्राम पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। होटल मालिकों से दो-दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने वाली मनीषा चौधरी को पुलिस ने आखिरकार

पकड ही लिया है। बता दें पकडी गई महिला कोई साधारण महिला नहीं है बल्कि लेडी डॉन के नाम से जानी जाती है। लेडी डॉन मनीषा चौधरी का पति कौशल चौधरी भी कुख्यात गैंगस्टर है।

जंगी एप पर गुर्गों से करती थी चैट पुलिस के हत्थे चढ़ी मनीषा चौधरी जंगी एप के

जरिए अपने गैंग के लोगों से बात किया करती थी। इससे वह पुलिस को भी बार-बार चकमा दे रही थी, लेकिन अब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है तो अब उसकी पूरी क्राइम कुंडली सामने आ गई। लेडी डॉन मनीषा चौधरी इसी एप के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क चला रही थी।

अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का राष्ट्रीय अधिवेशन २७ २८ नवंबर को : आरके शर्मा



नई दिल्ली।अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक एसोसिएशन कार्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष आर के शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक को संबोधित करते हुए आर के शर्मा ने बताया की 27 28 नवंबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन राजा राममोहन राय ऑडिटोरियम आईटीओ दिल्ली में होगा जिसमें देशभर से 500 से ज्यादा एबीटीए के पदाधिकारी एवं सहयोगी संगठनों के पदाधिकारी

शामिल होंगे आने वाले अतिथियों के ठहरने एवं अधिवेशन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है अधिवेशन में ट्रांसपोर्टरों की बहुत पुरानी कई मांगे जैसे ट्रांसपोर्ट आयोग का गठन, दिल्ली से ग्रीन टैक्स समाप्त करने तथा टोल टैक्स की दरें कम एवं नियंत्रित रखने के लिए दिल्ली एवं केंद्र सरकार से अपनी मांगों को मनवाने के लिए ठोस निर्णय लिए जायेंगे उन्होंने सभी तरह के ट्रांसपोर्टरों से टांसपोर्ट बिरादरी की भलाई के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में अधिवेशन में शामिल होकर

एकता का परिचय देने की भी अपील की इस अवसर पर केंद्रीय कार्यालय मंत्री अशोक कमार फरीदाबाद अध्यक्ष अजीत सिंह, नरेश शर्मा, रामफल शर्मा, दिनेश मुन्ना, जगजीत सिंह नरूला.मोहित नागपाल, विजय भाटी, नरेंद्र शर्मा मनोज शर्मा, गुरनाम सिंह दुहन, गोपाल खंडेलवाल, मदन कौशिक, जयप्रकाश शर्मा, आलोक गोदारा, कप्तान सिंह, सुखचरण सिंह, कप्तान सिंह, राकेश बजाज, शकील खान इत्यादि

दिल्ली में गलत पार्किंग करने वाले सावधान रेलवे स्टेशनों पर कटे ३९ हजार से ज्यादा चालान

दिल्ली में गाड़ी चलाने वाले लोगों के लिए जरूरी खबर है। राजधानी के चार मुख्य रेलवे स्टेशनों पर गलत तरीके गाडियां खड़ी करने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 39 हजार से अधिक का चालान किया है। सिर्फ पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ही करीब 15 हजार चालान काटे गए। बता दें दिल्ली में अनुचित पार्किंग के लिए 500 रुपये का

नई दिल्ली। दिल्ली के चार प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर गलत तरीके गाडियां खंडी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए यातायात पुलिस 39 हजार से अधिक चालान किए हैं। इन रेलवे स्टेशनों में पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन और दिल्ली कैंट स्टेशन शामिल

यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मताबिक, इस साल 22 अक्टबर तक सबसे अधिक चालान 14,949 पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, इसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 13,122, हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर 8,089 और दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पर 3,527 चालान जारी किए गए। इस तरह यातायात पुलिस ने कुल 39,687 चालान

अनुचित पार्किंग के लिए 500 रुपये

राष्ट्रीय राजधानी में अनुचित पार्किंग के लिए चालान 500 रुपये का है। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यातायात पलिस ने आटो-रिक्शा के लिए 5,526 चालान, बसों के लिए



1.070, टैक्सियों के लिए 1,145, ई-रिक्शा के लिए 3,596 और अन्य वाहनों के लिए 3,612 चालान जारी किए।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर गलत दिशा में वाहन चलाने के लिए 4,131 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। आंकड़ों से पता चला कि विभाग ने 40 अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाए, जिसमें 157 रेहड़ी/पटरी और खाने-पीने के स्टाल

यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए

बसंत लेन से प्रवेश नहीं पुलिस ने बताया कि पहाड़गंज क्षेत्र में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीडभाड कम करने के लिए, यातायात को अलग करने के लिए चेम्सफोर्ड रोड पर बीच की लाइन में सीमेंटेड बैरिकेड लगाए गए हैं। वर्तमान में, डा. मुंजा चौक पर प्रवेश केवल नेहरू बाजार की ओर से है और यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए बसंत लेन से प्रवेश वर्जित है।

उन्होंने बताया कि शहर के सबसे बड़े और सबसे पुराने परिवहन केंद्रों में से एक पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यातायात को नियंत्रित करने और उल्लंघन करने वालों पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त संख्या में यातायात कर्मियों को तैनात किया गया है।

दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास

निगम लिमिटेड को भेजा

पुलिस ने बताया कि स्टेशन के सामने एसपीएम मार्ग से बस स्टैंड को स्थानांतरित करने का प्रस्ताव पहले ही दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड को भेजा जा चका है।

पुलिस ने दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन के आसपास यातायात प्रबंधन में सुधार के लिए कई उपाय प्रस्तावित किए हैं, जिसमें स्टेशन परिसर को ₹नो पार्किंग जोन घोषित करना, स्टेशन क्षेत्र के अंदर वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित करना और यातायात परिसंचरण को बढाने के लिए मलबे और अतिक्रमण को हटाना शामिल है।

दिल्ली की सड़कों पर कहां है गड़ा?

अब बताएगा ये सिस्टम, एक टेंडर के फेल होने के बाद दूसरा जारी

दिल्ली में हर साल खासकर मानसन के सीजन में गड्ढों में गिरकर लोगों की मौत हो जाती है लेकिन अब लोंक निर्माण विभाग यानी पीडब्ल्युडी इस दिशा में बेहतरीन कदम उठाने जा रही है। दरअसल राजधानी की 1400 किलोमीटर लंबी सडकों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से देखरेख की योजना पर काम चल रहा है। इसके लिए टेंडर जारी किया जा चुका है।

नईदिल्ली।दिल्ली की 1400 किलोमीटर लंबी सड़कों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से निगरानी के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्युडी) ने कमर कस ली है। एक बार टेंडर सफल नहीं रहने पर अब विभाग ने दोबारा से टेंडर जारी किया है। माना जा रहा है कि अगले कछ माह माह में यह व्यवस्था शरू हो जाएगी और अगले साल मानसून के समय इसका भरपूर लाभ लिया जा सकेगा। इस सिस्टम से सड़क पर अगर कोई गड्ढा हो गया है, हरियाली सुख गई है या डिवाइडर, स्पीड ब्रेकर या फुटपाथ टूट गए हैं, तो एआई के माध्यम से इस कमी को पकड़ा जाएगा संबंधित कंपनी विभाग को अलर्ट करेगी।

एक साल के लिए एक निजी संस्था करेगी निगरानी इस संदेश से उन्हें गड़ों के चित्रों के साथ जियो टैगिंग की

मदद से उनके स्थान का पता चलेगा। इसके लिए विशेष साफ्टवेयर बनाया जाएगा। जिसकी फिलहाल निगरानी एक साल के लिए एक निजी संस्था करेगी।

पीडब्ल्यडी अधिकारी ने बताया कि उपयक्त कंपनियों के भाग नहीं लेने पर इसके लिए अब फिर से टेंडर जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह एक दम नया प्रयोग होने जा रहा है, उन्होंने बताया किक इसके चलते टेंडर को लेकर बहुत से पूछताछ वाले फोन आ रहे थे।

एआई महीने में दो बार अधिकारियों को भेजेगा सडकों की रिपोर्ट

इसके लिए 27 सितंबर तक निविदा जारी की थी, लेकिन इसकी तारीख अब नौ अक्तूबर कर दी गई थी। सॉफ्टवेयर आधारित निगरानी की इस परियोजना में विभाग के अंतर्गत आने वाली सभी सड़कों को शामिल किया गया है। एआई महीने में दो बार अधिकारियों को सभी सड़कों की रिपोर्ट

जिसमें डिवाइडर, गड्ढे, फुटपाथ, स्पीड ब्रेकर या पेंट मार्किंग, केंद्रीय वर्ज, ड्रेन कवर और सड़क लाइटों की कमी



की सची भी शामिल होगी । संबंधित अधिकारी इस रिपोर्ट पर तत्काल कार्रवाई करेंगे और अत्याधनिक तकनीक से सड़कों की निगरानी के लिए एक साल में लगभग 2.60 करोड़ रुपये खर्च करेंगे।

प्राइवेट एजेंसी पहले सड़कों की मैपिंग करेगी और स्थान के साथ फोटो भी भेजेगी। फिर महीने में दो बार कंपनी अपनी टीमों को अत्याधनिक कैमरों से रिकार्ड करेगी फिर, वीडियो फुटेज को कंप्यूटर में डाला जाएगा और उन्नत साफ्टवेयर के माध्यम से विश्लेषण किया जाएगा।

सॉफ्टवेयर सड़क को पहचान लेगा और जियो टैग स्थान के साथ फोटो बनाएगा अगर उसमें गड्ढा, दरार, डिवाइडर, फुटपाथ, सेंट्रल वर्ज, ड्रेन कवर यानिर्धारित 19 बिंदुओं में से कोई कमी होगी, अगर सड़कों में किमयां हैं, तो चित्रों के साथ रिपोर्ट बनाकर पीडब्ल्यडी के कंटोल रूम, मख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता या नामित किए गए अन्य अधिकारियों को भेज दी जाएगी।

इनबिंदुओं परकी जाएगी निगरानी स्पीड ब्रेंकर है या नहीं, रंग नहीं उतर गया , गड्ले, जलभराव, सड़कों में दरारें या अन्य टूट-फूट, सड़कों की बाउंड़ी और पैचवर्क की स्थिति , हरियाली की कमी , सड़कों पर हेज लगी है या नहीं, सड़कों पर विभिन्न प्रकार की मार्किंग की स्थिति , सड़कों के किनारे लगे स्कल्पचरों।

सड़कों के किनारे लगे पेड़ों और झाड़ियों; अवैध पार्किंग और ठेले; डस्टबिन और कूड़े की स्थिति; सड़कों पर पशुओं की उपस्थिति, बैरिकेड या अन्य बाधाओं की उपस्थिति, सडकों पर चल रहे निर्माण कार्य, टटे स्टीट लाइटें या टैफिक सिग्नल, निर्माण सामग्री से यातायात में बाधाएं आदि ।

पूरा विश्व गुरु नानक देव की प्रभात फ़ेरी में गुरबाणीमय हो रहा है-धन गुरु नानक सारा जग तारिया

भारत के क़रीब सभी प्रदेशों में प्रभात फ़ेरी की गूंज़–वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फ़तेह

प्रातः वेले अमृत वेले की मधुर बेला पर दैनिक प्रभात फ़ेरी में धन गुरु नानक सारा जग तारिया की गूंज-गुरु नानक जी तुसी मेहर करो-एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर सारी दुनियाँ में धर्मनिरपेक्षता के लिए विख्यात भारत में हर धर्म जाति के त्यौहार उत्सव धार्मिक महोत्सव बडे धूमधाम से मनाए जाते हैं, उनमें से कई उत्सव ऐसे हैं जिन्हें वैश्विक स्तरपर भारत के निवासी मूल भारतीयों द्वारामनाए जाते हैं, उन्हीं में से एक गुरुनानक जयंती व प्रभात फेरी महोत्सव है।मैंने रविवार दिनांक 10 नवंबर 2024 को महाराष्ट्र ऑल इंडिया रेडियो पर शाम को मराठी भाषा में गुरु नानक देव जी का सत्संग व जीवनी का महिमा मंडन बडे ध्यान से सुना तो मुझे यकीन हो गया कि यह पूरे देश में अलग अलग खूबसूरत भाषाओं में गुरु नानक देव जी का महिमा मंडन किया जा रहा होगा, फिर मैंनें अमेरिका में मेरे रिश्तेदार से फोन पर चर्चा की तो उन्होंने भी प्रभात फेरी व गुरु नानक जयंती मनाने की बात कही इसलिए आज मैंने प्रभात फेरी पर आर्टिकल लिखने की ठानी,क्योंकि मैं स्वयं भी गुरुद्वारे में जाता हूं इसलिए मैंने ग्राउंड रिपोर्टिंग कर इस विषय पर आर्टिकल लिखा। चूँकि अभी 555 वीं गुरु नानक जयंती शुक्रवार दिनांक 15 नवंबर 2024 को है जोकि दीपावली के बाद से शुरू हुए कार्तिक मास में प्रतिदिन प्रातःकाल अमृतवेले की मधुर बेला पर सिख समाज व सिंधी समाज की ओर से दैनिक प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें धन गुरु नानक सारा जग तारिया और वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह के नारों से हर राज्य हर शहर और अनेक देशों में वहां की धरती गूंज उठी है, और हो भी क्यों ना,क्योंकि 15 नवंबर 2024

को गुरु नानकदेव जीका 555 वाँ अवतरण दिवस मनाया जाएगा, जिसकी खुशी से पूरा कार्तिक मास अनेक उत्सव के साथ मनाया जा रहा है इसी कड़ी में हमारे छोटे से गोंदिया शहर में भी रोज प्रातः कालीन अमत वेले सिख समाज व सिंधी समाज द्वारा प्रभात फेरी निकालकर अलग-अलग क्षेत्र में के अंतर्गत भ्रमण कर प्यासी रूहों को तृप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। चूंकि रोज प्रभात फेरी मेंभक्तगण आनंदित हो रहे हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से और मेरी ग्राउंड रिपोर्टिंग के आधार पर हम चर्चा करेंगे. पूरे विश्व में बाबा गुरु नानक देव के 555 वें अवतरण दिवस 15 नवंबर 2024 के इंतजार में आंखें बिछाए भक्तगण। प्रातः काल अमृत वेले की मधुर बेला पर दैनिक प्रभात फेरी में धन गुरु नानक सारा जग उतारिए की गूंज।

www.parivahanvishesh.com

साथियों बात अगर हम गुरुनानक देव जयंती के उपलक्ष में कार्तिक माह से लेकर प्रभात फेरी पर्व मनाने की करें तो, इस दिन प्रातः काल स्नान करके प्रभात फेरी की शुरुआत की जाती है। इसके साथ ही सिख समुदाय के लोग गुरुद्वारे में भजन और कीर्तन करते हैं। इसके साथ ही गरु नानक जी को विशेष रूप से रुमाल भी सजाया जाता है। परे गरुद्वारों को दीपों से सजाया जाता हैप्रार्थना सभा के बाद लंगर का आयोजन करने के साथ सेवा दान किया जाता है। इसके साथ ही गुरबाणी का पाठ किया जाता है।गुरु नानक देव के पावन प्रकाशोत्सव पर सिख समाज के लोगों ने दिवाली के चंद्र से लेकर प्रभात फेरी निकाली जाती है। प्रभातफेरी में सिख समुदाय सिन्धी समुदाय के महिला पुरुष एवं बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रहें है। प्रभातफेरी गुरुद्वारों से निकलकर नगर में भ्रमण करते हुए वापस गुरुद्वारा पहुंचर ही है। प्रभात फेरी में शामिल महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग ढोलक बजाते धन गुरु नानक, धन गुरु नानक की गुंज से माहौल भक्तिमय हो गया। संगत ने दुख भंजन तेरा नाम जी ठाकुर गाइए आतम रंग, मारेया सिक्का जगत

विच नानक निर्मल पंथ चलाया, सब ते वड्डा सतगुर नानक जिन कल राखी मेरी आदि शबदों का गायन किया। इधर प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में हर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से हर कस्बे में प्रभातफेरी निकालजा रही है। रोजाना सुबह 4-5 बजे पूरे कस्बे में प्रभात फेरी 15 नवंबर तक निकाली जाएगी। प्रभातफेरी में गुरु नानक देवजी की महिमा का गुणगान किया जाता है। प्रभातफेरी गुरुद्वारा परिसर से शुरू होकर कस्बे के गली-मोहल्ले से होते हुए वापस गुरुद्वारा पहुंचकर समाप्त होती है। सिख समुदाय के लोगों का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह पर्व गुरु नानक देव जी के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है। कहा जाता है कि कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष कि पूर्णिमा तिथि पर गुरु नानक देव जी का जन्म हुआ था। इस साल कार्तिक पूर्णिमा 15 नवंबर को है, इसलिए 15 नवंबर को ही सिख धर्म के पहले गुरु, गुरु नानक देव जी जयंती मनाई जाएगी। गुरु नानक देव की जयंती को गुरु पर्व और प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस दिन सिख लोग गुरुद्वारे जाकर गुरुग्रंथ साहिब का पाठ करते हैं।

है और प्रभात फेरियां भी निकाली जाती हैं।
साथियों बात अगर हम प्रभात फेरी के
इतिहास और महत्व की करें तो प्रभात फेरी का
इतिहास काफी पुराना है। लेकिन खासतौर से
सिख धर्म में प्रभात फेरी को अधिक अहमियत
मिली है। आज भी न सिर्फ सिख बिल्क दूसरे
समुदायों के लोग भी गुरुपूरब से पहले ही प्रभात
फेरियां शुरू करते हैं, ताकि गली-गली घूमकर
सिख गुरुओं की सीख को लोगों तक पहुंचाया
जाए। तड़के-तड़के गुरुद्वारों से निशान साहिब
लेकर जत्थे गलियों में निकलते हैं। जहां-जहां से
प्रभात फेरी निकलती है वहां-वहां अब लोग चाय
के साथ-साथ खाने-पीने के स्टॉल भी लगाते
हैं।स्पेशल बैंड परफॉर्मेंस होती है। गतका

गरु पर्व पर सभी गरुद्वारों में भजन, कीर्तन होता



अखाड़े परफॉर्म करते हैं। अब इन प्रभात फेरियों में हजारों लोग जुड़ने लगे कुछ लोगों का मानना है कि प्रभात फेरी का मकसद उन आलसी लोगों को सुबह समय से जगाना भी है जो अपने स्वार्थ के लिए भगवान को भूल चुके हैं। सुबह का समय भगवान को याद करने का होता है, ताकि आने वाला जीवन अच्छा बीते लेकिन कुछ लोग अपने आलस्य के चक्कर में आराधना से दूर होते जा

साथियों बात अगर हम बाबा गुरुनानक देव की जीवनी की करें तो, गुरुनानक देव जी सिखों के प्रथम गुरु थें। इनके जन्म दिवस को गुरुनानक जयंती के रूप में मनाया जाता है। नानक जी का जन्म 1469 में कार्तिक पूर्णिमा को पंजाब (पाकिस्तान) क्षेत्र में रावी नदी के किनारे स्थित तलवंडी नाम गांव में हुआ। नानक जी का

जन्म एक हिंदू परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम कल्याण या मेहता कालू जी था और माता का नाम तुप्ती देवी था। 16 वर्ष की उम्र में इनका विवाह गुरदासपुर जिले के लाखौकी नाम स्थान की रहने वाली कन्या सुलक्खनी से हुआ। इनके दो पुत्र श्रीचंद और लख्मी चंद थें।दोनों पुत्रों के जन्म के बाद गुरुनानक देवी जी अपने चार साथी मरदाना,लहणा , बाला और रामदास के साथ तीर्थयात्रा पर निकल पड़े। ये चारों ओर घूमकर उपदेश देने लगे। 1521 तक इन्होंने तीन यात्राचक्र पूरे किए, जिनमें भारत, अफगानिस्तान, फारस और अरब के मुख्य मुख्य स्थानों का भ्रमण किया। इन यात्राओं को पंजाबी में उदासियाँ कहा जाता है। गुरुनानक देव जी मूर्तिपूजा को निरर्थक माना और हमेशा ही रूढ़ियों और कुसंस्कारों के विरोध में रहें। नानक जी के अनुसार ईश्वर कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे अंदर ही है। तत्कालीन इब्राहीम लोदी ने इनको कैद तक कर लियाथा। आखिर में पानीपत की लड़ाई हुआ, जिसमें इब्राहीम हार गया और राज्य बाबर के हाथों में आ गया।तब इनको कैद से मुक्ति मिली।गुरुनानक जी के

विचारों से समाज में परिवर्तन हुआ। नानक जी ने करतारपुर (पाकिस्तान) नामक स्थान पर एक नगर को बसाया और एक धर्मशाला भी बनवाई। नानक जी की देह त्याग 22 सितंबर 1539 ईस्वी को हुआ। इन्होंने अपनी मृत्यु से पहले अपने शिष्य भाई लहणा को अपना उत्तराधिकारी बनाया, जो बाद में गुरु अंगद देव नाम से जाने गए।

साथियों बात अगर हम बाबा गुरु नानक देव के उपदेशों की करें तो, किरत करो नाम जपो और बांट कर खाओ, अर्थात अपना जीवनयापन करने के लिए हमें कार्य करना चाहिए, उस परमात्मा की बंदगी भजन और कीर्तन करना चाहिए और हमेशा खाना बांट कर खाना चाहिए सो क्यों मंदा आखिए जित जमी राजन, अर्थात यह शब्द गुरु जी ने समाज में महिलाओं की स्तर को ऊंचा उठाने के लिए कहे थे कि उस औरत को हम बुरा कैसे कह सकते हैं जो एक राजा को भी जन्म देती है।गुरु जी ने और उपदेश दिया था कि इस संसार में जो कुछ भी हो रहा है वह उस परमात्मा के हुक्म के अनुसार हो रहा है। सब कुछ उस परमात्मा के हक्म के अधीन ही है उस हुक्म के बाहर कुछ भी नहीं हो रहा और इंसान के जीवन में सुख और दुख जो कुछ भी घटता है वह उसके द्वारा किए गए कर्मों के अनुसार ही होती हैं।गुरु नानक साहब केवल एक ईश्वर की पूजा करते हैं और अपने सिखों को भी ऐसा करने का निर्देश देते हैं। मैं मूल मंत्र लिख रहा हूं जो सिख विचारधारा का मूल है और गुरु ग्रंथ साहिब की शुरुआत हैं एक ओं क़ार सतनाम, करता पुरख निरभउ निरवैर,अकाल मूरत, अजूनी सैभं, गुरप्रसादि । अर्थ.. ईश्वर एक है, उसका नाम सत्य है, रचयिता, निर्भय, द्वेष नहीं, कालातीत, जन्महीन, आत्म अस्तित्व और गुरु की कृपा से आप मिल सकते हैं। तो, यह गुरु नानक और सिख धर्म के मुख्य सिद्धांत और विचारधारा है। गुरु ग्रंथ साहिब में 06 गुरुओं, 11 भट्ट जिन्होंने निराकार ईश्वर के प्रकाश के रूप में हमारे गुरुओं की स्तुति की और 15 भगतों द्वारा लिखित बानी शामिल हैं, जिनकी विचारधारा गुरु नानक साहब से मेल खाती है। गुरबानी निराकार ईश्वर से गुरुओं के मुख से निकली है जैसा कि गुरु ग्रंथ साहिब में लिखा है न किरामायण या वेदों का मिश्रण जैसे कुछ लोग

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पूरा विश्व गुरु नानक देव की प्रभात फ़ेरी में गुरबाणीमय हो रहा है-धन गुरु नानक सारा जग तारिया।भारत के क़रीब सभी प्रदेशों में प्रभात फ़ेरी की गूंज- वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फ़तेह।प्रातःवेले अमृत वेले की मधुर बेला पर दैनिक प्रभात फ़ेरी में धन गुरु नानक सारा जग तारिया की गूंज-गुरु नानक जी तुसी

गुरबानी पढे बिना कह रहे हैं।

कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाती नमो ड्रोन दीदी योजना

नमो ड्रोन दीदी योजना, पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्रों में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने का एक अग्रणी प्रयास है। यह पहल महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करती है, जिससे वे डोन संचालित करने और स्थानीय किसानों को आवश्यक कृषि सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम हो जाती हैं। कृषि आधुनिकीकरण के साथ महिला सशक्तिकरण को जोडकर, यह योजना सामाजिक प्रगति और आर्थिक विकास दोनों को बढावा देती है। इस योजना में भाग लेने वाली महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया जाता है, जहाँ वे हवाई सर्वेक्षण, सटीक कृषि तकनीक और कीटनाशक छिड़काव सहित डोन संचालन में कौशल हासिल करती हैं। ये ऑपरेशन न केवल फसल की पैदावार में सुधार करते हैं, बिक्क महिलाओं को एक स्थायी आय भी प्रदान करते हैं, लैंगिक समानता को बढावा देते हैं और उनकी वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ाते हैं। जैसे-जैसे ये महिलाएँ डोन तकनीक को अपनाती हैं, वे बढते कृषि-तकनीक क्षेत्र में सक्रिय योगदानकर्ता बन जाती हैं।

-प्रियंका सौरः

नमो ड्रोन दीदी सटीक कृषि और संसाधन अनुकूलन में योगदान दे सकती है। भारत का कृषि क्षेत्र प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों के एकीकरण के साथ परिवर्तन के शिखर पर है। ड्रोन प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करने वाली नमो ड्रोन दीदी जैसी योजनाएँ सटीक कृषि और संसाधन अनुकूलन के माध्यम से खेती को आधुनिक बनाने की क्षमता प्रदान करती हैं, जो कृषि में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करती हैं। ड्रोन उर्वरकों और कीटनाशकों के सटीक अनुप्रयोग को सक्षम करते हैं, अपव्यय को कम करते हैं और समान वितरण सुनिश्चित करते हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत ड्रोन रासायनिक उपयोग में 30% तक की कमी सुनिश्चित करते हैं। ड्रोन फसलों की वास्तविक समय की निगरानी की अनुमित देते हैं, फ़सल के स्वास्थ्य, मिट्टी की स्थिति और समय पर हस्तक्षेप के लिए प्रारंभिक रोग का पता लगाने पर डेटा प्रदान करते हैं। आंध्र प्रदेश में, ड्रोन ने कीटों के हमलों का समय पर पता लगाने के कारण फ़सल के नुकसान को 20% तक कम करने में मदद की। ड्रोन फ़सल के विकास पैटर्न, मिट्टी के स्वास्थ्य और उपज के अनुमान पर सटीक डेटा प्रदान करते हैं, जिससे खेत

प्रबंधन और निर्णय लेने में सुधार होता है। वैश्विक स्तर पर, ड्रोन तकनीक ने कृषि सहित कई उद्योगों में क्रांति ला दी है। भारत में, ड्रोन में अपार संभावनाएं हैं: वे बड़े क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर सकते हैं, फसलों की निगरानी कर सकते हैं, बीमारियों या कीटों का पहले से पता लगा सकते हैं, और कीटनाशकों और उर्वरकों के सटीक उपयोग की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। यह सटीक खेती का तरीका पारंपरिक खेती के तरीकों से जुड़ी लागत और बर्बादी को कम करते हुए फसल की पैदावार हालांकि, भारतीय कृषि में ड्रोन को अपनाना धीमा रहा है। उच्च लागत, सीमित जागरूकता और ग्रामीण क्षेत्रों में अपर्याप्त तकनीकी बुनियादी ढांचे ने व्यापक कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न की है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, नमो ड्रोन दीदी योजना न केवल ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देती है बल्कि ग्रामीण महिलाओं को सशक्त भी बनाती

महाराष्ट्र में तैनात ड्रोन ने किसानों को पैदावार का बेहतर अनुमान लगाने और उत्पादकता बढ़ाने में सक्षम बनाया। ड्रोन पोषक तत्वों जैसे इनपुट के परिवर्तनीय दर अनुप्रयोग की अनुमित देते हैं, विशिष्ट क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार समायोजन करते हैं, इनपुट दक्षता को अधिकतम करते हैं। उत्तर प्रदेश में, ड्रोन-सहायता प्राप्त खेती ने किसानों को मिट्टी की उर्वरता भिन्नताओं के आधार पर उर्वरकों को सटीक रूप से लागू करने में सक्षम बनाया, जिससे पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता में वृद्धि हुई। ड्रोन तकनीक में स्वचालन कीटनाशकों या उर्वरकों के छिड़काव जैसे कार्यों में मानवीय नुटि को कम करता है, जिससे अधिक प्रभावी संचालन होता है। मध्य प्रदेश में एक पायलट परियोजना ने कीटनाशक छिड़काव में कम त्रुटियों को दिखाया, जिससे फ़सल की उपज में 15% सुधार हुआ। ड्रोन मिट्टी में नमी के स्तर का आकलन करने में मदद करते हैं, जिससे सटीक सिंचाई की सुविधा मिलती है, जिससे पानी का संरक्षण होता है और यह सुनिश्चित होता है कि केवल आवश्यक क्षेत्रों में ही पानी मिले।

ड्रोन-सहायता प्राप्त सिंचाई ने गुजरात के जल-दुर्लभ क्षेत्रों में पानी के उपयोग को 15% तक कम कर दिया। इनपुट लागत में कमीः उर्वरकों और कीटनाशकों जैसे इनपुट के सटीक उपयोग से, किसान लागत बचाते हैं, जिससे बेहतर संसाधन प्रबंधन में योगदान मिलता है। पंजाब में स्वयं सहायता समूह ने नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत ड्रोन का उपयोग करके इनपुट पर 20% लागत बचत की सूचना दी। ड्रोन कीटनाशकों और उर्वरकों के छिड़काव जैसे कार्यों में मैनुअल श्रम की आवश्यकता को कम करते हैं, जिससे किसानों को श्रम लागत में कटौती करने और परिचालन दक्षता में सुधार करने में मदद मिलती है। नमो ड्रोन दीदी के तहत ड्रोन सेवाओं को अपनाने के बाद हरियाणा के किसानों ने श्रम व्यय में 25% तक की कमी का अनुभव किया। ड्रोन तकनीक बड़े खेतों में छिड़काव और निगरानी जैसे कार्यों के लिए आवश्यक समय को काफ़ी कम कर देती है, जिससे समग्र कृषि उत्पादकता में सुधार होता है।

राजस्थान में, ड्रोन की सहायता से कीटनाशक के छिड़काव ने संचालन में लगने वाले समय को 7 दिनों से घटाकर 2 दिन कर दिया, जिससे उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ड्रोन सटीक कीट प्रबंधन में मदद करते हैं, कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को कम करते हैं, जिससे दीर्घकालिक मिट्टी और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार होता है। तमिलनाडु के किसानों ने ड्रोन-सहायता प्राप्त कीट प्रबंधन प्रणालियों का उपयोग करके फसल की गुणवत्ता में 10% सुधार की सूचना दी। नमो ड्रोन दीदी योजना खेती को आधुनिक बनाने, सटीक कृषि को बढ़ाने और

इष्टतम संसाधन उपयोग सुनिश्चित करने में प्रौद्योगिकी-आधारित कृषि की अपार क्षमता को प्रदर्शित करती है। उचित कार्यान्वयन और समर्थन के साथ, ऐसी पहल भारत के कृषि क्षेत्र को स्थिरता और बढ़ी हुई उत्पादकता की ओर ले जा सकती हैं।

हालाँकि भारत कृषि में ड्रोन को एकीकृत करने वाला पहला देश नहीं है, लेकिन तकनीक के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर इसका ध्यान अद्वितीय है। निरंतर सरकारी समर्थन, बेहतर बुनियादी ढाँचे और किसानों की बढ़ती जागरूकता के साथ, नमो ड्रोन दीदी योजना में खेती को आधुनिक बनाने, खाद्य सुरक्षा बढ़ाने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की क्षमता है। इन चुनौतियों का समाधान करके, यह पहल लैंगिक समानता और ग्रामीण तकनीकी उन्नित को बढ़ावा देते हुए कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने की मांग करने वाले अन्य विकासशील देशों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकती है।

हाई बीपी होने पर भी हो सकता है ब्रेन स्ट्रोक का खतरा, जानिए लक्षण और बचाव के तरीके

खराब खानपान और खराब लाइफस्टाइल को ब्रेन स्ट्रोक होने के कारणों में माना गया है। बता दें कि लाइफस्टाइल से जुड़ी समस्याएं जैसे हार्ट डिजीज, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज भी ब्रेन स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाती है।

ब्रेन स्ट्रोक एक ऐसी गंभीर समस्या है, जो हर साल लाखों लोगों को तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है। इस बीमारी से होने वाली मृत्यु में ब्रेन स्ट्रोक को दूसरे नंबर पर रखा गया है। हालांकि काफी कम लोगों को इस बीमारी के बारे में जानकारी है। खराब खानपान और खराब लाइफस्टाइल को ब्रेन स्ट्रोक होने के कारणों में माना गया है। बता दें कि लाइफस्टाइल से जुड़ी समस्याएं जैसे हार्ट डिजीज, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज भी ब्रेन स्ट्रोक के खतरे को ाढ़ाती है।

कई रिसर्चों में यह सामने आया है कि लाइफस्टाइल डिजीज खासकर ब्लड प्रेशर के मरीजों को इस बीमारी का खतरा अधिक रहता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जिरए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ब्रेन स्ट्रोक होने के कौन-कौन से कारण जिम्मेदार हैं।

शुरूआती लक्षण

अगर ब्रेन स्ट्रोक के शुरूआती लक्षणों की बात की जाए, तो इसमें व्यक्ति को बोलने में परेशानी होने लगता है। इसके अलावा इसके लक्षणों में जैसे कंफ्यूजन होना, चक्कर आना और सिर दर्द होना आम बात है। इसके साथ ही दोनों आंखों से कम या साफ न दिखना और शरीर के किसी भी हिस्से में कमजोरी

आना शामिल है। हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को क्यों होता है ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बता दें कि ब्लड वेसेल्स के ब्लॉक होने की वजह से खून हमारे ब्रेन तक नहीं पहुंच पाता है। जिस वजह से व्यक्ति को ब्रेन स्ट्रोक हो जाता है। ब्लड प्रेशर के मरीज की ब्लड वेसेल्स समय के साथ बंद होने लगती हैं। ऐसे में अगर ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में नहीं रखा जाएगा, तो ये वेसेल्स पूरी तरह से भी बंद हो सकती हैं। क्योंकि वेसेल्स के बंद होने पर ब्रेन तक ब्लड का जाना मुश्किल हो जाता है, जिसकी वजह से स्ट्रोक की संभावना अधिक रहती है।

ऐसे में जितना ज्यादा व्यक्ति के ब्लड प्रेशर में फर्क आएगा, उतना ही ज्यादा ब्लड वेसेल्स के बंद होने की संभावना रहेगी और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ने लगेगा। हाई और लो ब्लड प्रेशर के साथ वालों को यह स्थिति और भी ज्यादा परेशान कर सकती हैं। इसलिए बीपी को हमेशा बैलेंस में रखना जरूरी होता है। कैसे करें बचाव

ब्रेन स्ट्रोक के खतरे से बचाव करने के लिए हमेशा अपना ब्लड प्रेशर मेंटेन करके रखें। ध्यान रखें कि नॉर्मल टार्गेट 130 से कम रहे और लो ब्लड प्रेशर 85 से कम न रहे।

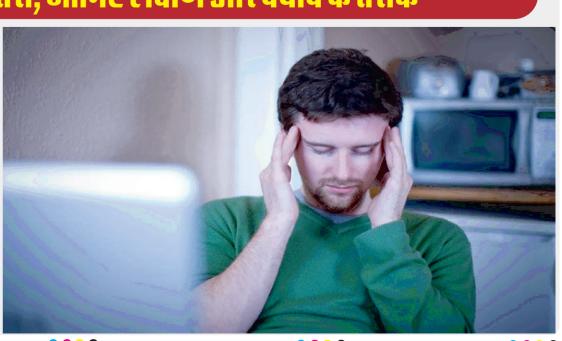
ब्लड प्रेशर की दवा लेते हैं, तो इसको रेगुलर रखें। दवा में गैप न होने दें।

खाने में नमक का सेवन कम करें और सलाद या फिर फल आदि में नमक डालकर न खाएं। वरना आपका ब्लड प्रेशर बिगड सकता है।

खाने में सेंधा नमक की जगह सादे नमक का इस्तेमाल करें। क्योंकि इसको ज्यादा क्लीन तरीके से बनाया जाता है।

डेली एक्सरसाइज करने की आदत डालनी चाहिए।

मेडिटेशन करना चाहिए और गुस्से को कंट्रोल में रखें। साथ ही अपने इमोशन को भी कंट्रोल में रखें।



'आप' दिल्ली विधानसभा चुनाव में किन उम्मीदवारों को देगी टिकट, गोपाल राय ने कर दिया साफ

दिल्ली विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही महीनों का समय शेष बचा है। ऐसे में आम आदमी पार्टी ने तैयारियां भी शरू कर दी है। इन सबके बीच AAP के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने टिकट को लेकर बड़ा बयान दिया। राय ने कहा कि इस बार भी टिकट वितरण के लिए जनता की राय अहम होगी। पढें पर्यावरण मंत्री ने कितनी सीट जीतने का

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय (Gopal Rai) ने मंगलवार को कहा दिल्ली विधानसभा चुनावों में टिकट पर फैसला सर्वे में लोगों की प्रतिक्रिया के आधार पर होगा। राय ने कहा कि सब कुछ पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाएगा।

दिल्ली में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों (Delhi Assembly Election 2024) के टिकट वितरण को लेकर गोपाल राय ने कहा कि सर्वे कराने का उद्देश्य मौजदा विधायकों और टिकट चाहने वालों को ध्यान में रखकर लोगों से फीडबैक लिया जाएगा। कहा कि पार्टी हमेशा से जनता की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखकर फैसले लेती आई है और इस बार भी टिकट वितरण के लिए जनता की राय ली जाएगी।

www.newsparivahan.com

पार्टी का टारगेट 62 से ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज करना-गोपाल राय

बता दें कि सोमवार को किराड़ी में मंडल प्रभारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि टिकट वितरण पार्टी द्वारा किए गए सर्वेक्षण के साथ साथ विधायकों के कार्य के आधार पर दी जाएगी। इस बार पार्टी का लक्ष्य 62 से ज्यादा सीटों पर विजयी होने का है। केजरीवाल ने बताया था कि इस बार पार्टी टिकट का वितरण काफी सोच-समझकर करने वाली है।

केजरीवाल जिला स्तर पर कर रहे कार्यकम-राय

पिछले विधानसभा चुनाव (Delhi Assembly Election 2024) में आप को 62 और भाजपा को आठ सीटें मिली थीं। दिल्ली में



विधानसभा की कल 70 सीटें हैं। कांग्रेस का खाता नहीं खुला था।विधानसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल और पार्टी के वरिष्ठ नेता कार्यकर्ताओं के साथ जिले स्तर पर सभाएं कर रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा था कह आप से कोई भी नेता चुनाव लड़े, पार्टी कार्यकर्ताओं को ये ध्यान में रखना होगा कि मैं सभी 70 सीटों पर चनाव लड रहा हूं। उन्होंने कहा कि इस बार के चुनाव में मंडल प्रभारियों की भूमिका अहम होगी।

केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं को बुथ लेवल पर जीत का दिया मंत्र

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल (Arvind Kejriwal) के नेतृत्व में सोमवार को तिलक नगर विधानसभा क्षेत्र में जिला सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को बुथ लेवल पर जीत हासिल करने

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता हमारी

बात से नाराज भी हो सकती है। हो सकता है किसी की गली नहीं बनी, किसी की गली के सामने कुड़ा है। पर्व सीएम ने कार्यकर्ता से अपील करते हुए कहा चला गया तो बिजली बहुत महंगी हो जाएगी, घर

सोलर टी से जगमगाएंगे दिल्ली कैंट के चौराहे और गोलचक्कर, PWD ने बनाई ये शानदार योजना

पश्चिमी दिल्ली। दिल्ली कैंट इलाके के चौराहों और गोलचक्कर की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने नौ सोलर ट्री लगाने का प्लान तैयार किया है, जिससे इलाके की सड़कें रोशनी से जगमगा उठेंगी। एक सोलर ट्री में 12 पत्तियां होंगी, जिन पर सोलर पैनल लगे

खास बात यह है कि जो सोलर ट्री चौराहों या गोलचक्कर पर लगाए जाएंगे उन्हें रोशन करने के लिए बीएसईएस से बिजली लेने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि ट्री की पत्तियों पर लगे सोलर पैनल के जरिए ही ट्री को बिजली की आपूर्ति होगी जिससे वह जगमग हो उठेंगे। इससे बिजली की खपत भी नहीं होगी और रोशनी भी सड़कों पर भरपर रहेगी।

नौ सोलर ट्री लगाने में आएगी 91.84 लाख रुपये की

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने ब्यूटीफिकेशन प्रोजेक्ट के तहत नौ सोलर ट्री लगाने के लिए सदर शास्त्री बाजार गोल चक्कर सहित अन्य कछ जगहों पर लगाने की सरकार से किसी बात से खश हो सकती है तो किसी | योजना बनाई है। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार नौ सोलर ट्री लगाने में 91.84 लाख रुपये की लागत आएगी। यह सोलर ट्री पूरा स्टील का बना हुआ होगा।

एक ट्री पर करीबन 10-10 पत्तियां होंगी. जिनके ऊपर सोलर कि घर-घर जाकर जनता को ये बताना है कि सारे | पैनल लगे होंगे। एक सोलर पैनल से 10 वाट तक की बिजली काम करा देंगे, इतने काम कराए हैं, ये भी करा देंगे। तैयार होगी जिससे पेड़ जगमग होंगे। इसके लिए कहीं बाहर लेकिन एक बात याद रखना कि अगर केजरीवाल सेबिजली नहीं लेनी होंगी। इससेबिजली की बचत होगी और सड़कों पर यह चार चांद लगाने का भी काम करेंगे। एक सोलर ट्री की ऊंचाई 12 से 13 फीट तक रखी जाएगी।

DUSU चुनाव काउंटिंग की डेट हुई फाइनल, सुबह साढ़े ८ बजे से होगी गिनती; दिल्ली HC ने दी इजाजत

दिल्ली हाईकोर्ट ने डूसू चुनाव के मतों की गिनती शुरू करने का निर्देश दे दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि 21 नवंबर को इसकी गिनती होगी। दिल्ली विश्वविद्यालय की तरफ से चुनाव की काउंटिंग के लिए तैयारियां शरू कर दी गई हैं। कान्फ्रेंस सेंटर में वोटों की गिनती सुबह 8.30 बजे से शुरू

नयी दिल्ली।दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (इस्) चुनाव के लिए मतगणना 21 नवंबर को होगी। पहले मतगणना 23 नवंबर को कराए जाने की योजना बनाई जा रही थी, लेकिन चुनाव आयोग की तरफ से आने वाली तकनीकी टीम के व्यस्त होने के चलते 21 तारीख को मतगणना कराने का फैसला लिया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय (Delhi University) की ओर से चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। डीयू के कॉन्फ्रेंस सेंटर में मतगणना सुबह 8.30 बजे से शुरू होगी। सबकुछ ठीक रहा तो इस महीने छात्रों को नया डूसू मिल जाएगा

24 घंटे पुलिस का एक दल कर रहा ईवीएम की निगरानी

हाई कोर्ट से मतगणना पर रोक लगाने के बाद डूसू चुनाव में इस्तेमाल की गईं. 500 ईवीएम को परीक्षा विभाग में बनाए गए स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया है। यहां 24 घंटे पुलिस का एक दल ईवीएम की निगरानी कर रहा है। डीय के एक अधिकारी ने बताया कि कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव के सम्पन्न होते ही 27 सितंबर को परीक्षा विभाग में स्ट्रांग रूम बना दिया गया था।

कॉलेजों के प्रतिनिधियों के लिए चुनाव बैलेट



पेपर से हुए थे। सभी कालेजों को आदेश दिए गए थे कि वे कालेज में एक स्ट्रांग रूम बनाकर सारी मतपेटियां सुरक्षित रखें। इसु के पदाधिकारियों

के साथ कॉलेजों के प्रतिनिधियों के चुनाव भी

21 नवंबर को कॉलेज भी बैलेट पेपर की

नर्इदिल्ली।यम्नापार जैन

समाज और राजधानी दिल्ली के

ऋभ विहार के समीप जिन तीर्थ

मंडपम सीबीडी ग्राउंड में चार

दिवसीय भगवती जिन दीक्षा

पूर्व निगम पार्षद नरेंद्र जैन और

आयोजन समिति से जुड़े टीनू जैन के

अनुसार इस आयोजन के दिन आम

आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और

अतिथि शामिल होंगे और 14 नवंबर को जब इन 13 दीक्षार्थियों को अल्प

दिल्ली के पूर्व मुख्य मंत्री अरविंद

केजरीवाल सहित कई गणमान्य

आहार विधि का अभ्यास कराया

जाएगा तब आचार्य गुरुवर विमर्श

सागर की गौरव मयी उपस्थिति में

राष्ट्रकवि कमार विश्वास सहित

अनेक कवि गण आध्यात्मिक काव्य

पाठ करेंगे।इसी दिन आचार्य गुरुवर

की मौलिक कृति विमर्श लिपि एवं

विमर्श संबीसा नवीन भाषा का

विमोचन कार्यक्रम और शाम को

महाविशाल शोभा यात्रा विनौली

यात्रा भी निकाली जायेगीं।

21 नवंबर को कॉलेज भी बैलेट पेपर की मतगणना करेंगे। इसू चुनाव के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. सत्यपाल सिंह ने कहा कि स्ट्रांग रूम में रखने से पहले ही ईवीएम की बैटरी जांच

डीयू प्राक्टर प्रो. रजनी अब्बी ने बताया कि चुनाव के लिए 21 नवंबर की तारीख तय कर ली गई है। चुनाव आयोग की तकनीकी टीम के सामने ही ईवीएम को खोलना शुरू किया जाएगा। मतगणना पुरी पारदर्शिता के साथ की जाएगी। जिससे उम्मीदवारों को कोई आपत्ति न

डीयू की तरफ से सफाई के लिए बनाई गई थी टीमें

डूसू चुनाव (DUSU Chunav Counting 2024) में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पदों के लिए मतदान 27 सितंबर हो हुए थे। 28 सितंबर को मतगणना की जानी थी। लेकिन, उम्मीदवारों के आक्रामक प्रचार के बाद मामला हाई कोर्ट में चला गया और कोर्ट ने मतगणना पर राजधानी दिल्ली की दीवारें साफ होने तक रोक लगा दी थी।

सोमवार को अपने आदेश में कोर्ट ने मतगणना के लिए सशर्त इजाजत दी थी। कहा था कि दीवारें गंदी नहीं है, हर उम्मीदवार सुनिश्चित करेंगे। उसके बाद 26 नवंबर तक वह मतगणना करा सकते हैं। डीय के एक अधिकारी ने कहा, उम्मीदवारों को अगर कोई दीवार गंदी है तो उसे साफ करने के लिए कहा गया है।

पहले उनका निरीक्षण किया जाएगा और उसके बाद हलफनामा कोर्ट को सौंपा जाएगा। डीयू की ओर से सफाई के लिए टीमें बनाई गईं थी और सफाई का लगभग पूरा कार्य हो चुका है।

दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी दाखिले के लिए 28 नवंबर से आवेदन, फॉर्म जमा करने की ये है अंतिम तारीख

नर्ड दिल्ली। राजधानी के 1700 से अधिक निजी स्कुलों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए नर्सरी, केजी और पहली में दाखिले को लेकर शिक्षा निदेशालय ने तारीखों की घोषणा कर दी है। स्कूलों में अपने बच्चे का दाखिला कराने के लिए 28 नवंबर से अभिभावकों की दौड शुरू हो जाएगी। अभिभावक 28 नवंबर से दाखिले के लिए आवेदन फार्म ले सकते हैं। आवेदन फार्म जमा करने की आखिरी तारीख 20 दिसंबर है।

अभिभावकों को स्कूलों में प्रवेश पंजीकरण शुल्क के तहत 25 रुपये देने होंगे। स्कूलों का प्रास्पेक्टस (विवरण-पुस्तिका) लेना वैकल्पिक होगा। स्कूलों को दाखिला कार्यक्रम की सूची स्कूल के नोटिस बोर्ड में भी चस्पा करनी होगी। वहीं, इस वर्षचयनित छात्रों की पहली सची 17 जनवरी 2025 को जारी की जाएगी। इसके बाद तीन फरवरी को दूसरी सूची जारी की जाएगी।वहीं, प्रवेश प्रक्रिया 14 मार्च, 2024 को समाप्त होगी।

निदेशालय ने यह भी स्पष्ट किया कि दाखिले के लिए साक्षात्कार,पहले आओ- पहले पाओ, मैनेजमेंट कोटा जैसे 50 मानदंड दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रतिबंधित किए हुए हैं। ऐसे में इन मानदंडों को दाखिला प्रक्रिया में शामिल नहीं करना है। इसके साथ ही दाखिले केवल 75 प्रतिशत सीटों पर करने हैं। 25 प्रतिशत सीटें पर आर्थिक रुप से पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्युएस), वंचितसमूह (डीजी) औरदिव्यांग श्रेणी (सींडब्ल्युएसएन) के दाखिले होने हैं।

25 नवंबर तक स्कूलों को अपलोड करने होंगेदाखिला मानदंड

निदेशालय ने स्कूलों को स्पष्ट किया कि उन्हें 25 नवंबर तक शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर दाखिला मानदंड अपलोड करने होंगे । निदेशालय ने सभी जिला उप शिक्षा निदेशकों को निर्देश दिया कि अगर 25 नवंबर तक कोई स्कूल दाखिला मानदंड अपलोड नहीं करता हैं तो उसे 29 नवंबर तक का समय दिया जाएगा और अगर इस तारीख तक भी मानदंड अपलोड नहीं होते हैं तो वहां पर प्रवेश प्रक्रिया को बीच में ही स्थगित कर दिया जाएगा। वहीं, दाखिले के लिए छात्रों को न्यूनतम और अधिकतम उम्र सीमा में 30 दिन की छूट मिलेगी। इसके लिए छात्रों के अभिभावकों को संबंधित स्कूल के प्रधानाचार्य को एक लिखित पत्र जमा करना

निगरानी के लिए बनाया गया सेल

हर जिले में उपशिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में एक निगरानी सेल बनाया गया है। सेल की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि उनके जिले में हर निजी स्कूल तय समय तक निदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट पर दाखिला प्रक्रिया और प्वाइंट प्रणाली अपलोड कर दे।

सेल की जिम्मेदारी लगातार अभिभावकों की शिकायतों को भी सुनते रहने की होगी।निदेशालय ने परिपत्र जारी कर कहा कि निगरानी सेल ये भी सनिश्चित करे कि निदेशालय द्वारा तय नियमों व प्वाइंटप्रणाली का स्कूलों द्वारा पालन किया जा रहा है

दाखिले के लिए तय उम्र सीमा नर्सरी - तीन साल से ज्यादा और चार साल से

कम (31 मार्च, 2025 तक)

केजी - चार साल से ज्यादा और पांच साल से कम (31 मार्च, 2025 तक)

पहली कक्षा- पांच साल से ज्यादा और छह साल सेकम (31 मार्च, 2025 तक)

दाखिले के लिए इन दस्तावेज को रखें तैयार

अभिभावकों के पास निवास प्रमाण पत्र होना चाहिए।

अभिभावकों का वोटर आईडी कार्ड। बिजली, पानी, टेलीफोन बिल और पासपोर्ट। अभिभावकों का आधार कार्ड।

जन्म प्रमाण पत्र की तीन से चार कापी (निगम या किसी भी समकक्ष मान्यता की अथारिटी से जारी प्रमाण पत्र)।

विशेष छात्र होने पर संबंधित प्रमाणपत्र। छात्र के साथ अभिभावकों के पासपोर्ट साइज

जरूरी तारीखें

25 नवंबर 2024- सभी स्कूल नर्सरी दाखिले से जुड़ी प्वाइंट प्रणाली शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे।

28 नवंबर 2024- नर्सरी दाखिला प्रक्रिया शरू होगी और आवेदन फार्म मिलने लगेंगे।

20 दिसंबर 2024 - स्कूलों में फार्म जमा कराने

3 जनवरी 2025 - आवेदन करने वाले बच्चों की जानकारी स्कूलों द्वारा अपलोड की जाएगी।

10 जनवरी 2025 - प्वाइंट प्रणाली के आधार पर स्कूल बच्चों के अंकों को अपनी वेबसाइट पर 17 जनवरी 2025 - नर्सरी, केजी और पहली

कक्षा के दाखिले के लिए चयनित बच्चों की पहली सूची जारी की जाएगी।इसके साथ ही वेटिंग सूची में शामिल बच्चों की सूची भी जारी की जाएगी । 18-27 जनवरी 2025 - बच्चों को स्कूल द्वारा

दिए गए प्वाइंट को लेकर अभिभावक ई-मेल, पत्र लिखकर या मौखिक तौर पर स्कूलों से बात कर 3 फरवरी 2025- नर्सरी, केजी और पहली

कक्षा के दाखिले के लिए चयनित बच्चों की दूसरी सूची जारी की जाएगी। इसके साथ ही वेटिंग लिस्ट वाले बच्चों के नाम भी होंगे। 5 फरवरी- 11 फरवरी 2025 - बच्चों को स्कूल

द्वारा दिए गए प्वाइंट को लेकर अभिभावक ई-मेल, पत्र लिखकर या मौखिक तौर पर स्कूलों से बात कर सकते हैं।

26 फरवरी 2025 - बची हुई सीटों के लिए चयनित बच्चों की दाखिले के लिए कोई सूची अगर रह गई हो तो स्कूल उसे जारी करेंगे।

14 मार्च 2025 - नर्सरी दाखिला प्रक्रिया समाप्त

आयोजन समिति के सतीश जैन, वरुण जैन अनुराग जैन और दीपक



जैन ने बताया आयोजन के अंतिम दिन 15 नवंबर को राजधानी में पहली बार इन 13 वीर बेटियों को भगवती जिनदीक्षा प्रात काल की मंगल वेला में केश लौच आदि सभी क्रियाओं के साथ भगवती जिनदीक्षा महामहोत्सव का समापन होगा।

जिनतीर्थ मंडपम सीबीडी ग्राउंड में

आयोजन समिति से जुड़े टीनू जैन ने बताया कि जैन धर्म में जब कोई भी साधु, वैराग्य जीवन में जाता है तो समाज द्वारा आखिरी बार उसको सांसारिक रागों के बीच से सम्मान दिया जाता है। इस यात्रा व सम्मान को बिनौली यात्रा कहते हैं। आचार्य विमर्श सागर जी महाराज की शिष्या विशु दीदी सहित 12 दीक्षार्थी बहने सांसारिक बंधन से मुक्त होकर संयम के मार्ग पर चलने के लिये अग्रसर है। आचार्य श्री ने कहा आज भी युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा सांसारिक बंधनों से मुक्ति चाहता है, यह गर्व की बात है जैन समाज में बहुत रईस और समाज में अच्छा रसुख रखने वाले ऐसे बहुत से युवक युवतियां है और पिछले कुछ वर्षों में समाज की 16 वर्ष से 25 वर्ष आयु तक की कई बहनों ने इस संसार और मोह को त्याग को छोड वैराग्य का बेहद कठिन रास्ता

आयोजन समिति के टीनू जैन के अनुसार आज से शुरू हुए इस चार दिवसीय जिनागम पंथी गुरु भक्तों के महाकुंभ में प्रतिदिन दिल्ली सहित अनेक राज्यों से हजारों श्रद्धालु भाग

पीएनजी पाइपलाइन में धमाका, चार दुकानों में लगी आग; शख्स की मौत

नई दिल्ली (सुषमा रानी)

पलवल के पास जिला नागरिक अस्पताल के समीप पीएनजी पाइपलाइन फटने से चार दुकानों में आग लग गई। हादसे में चाय की दुकान चलाने वाले एक व्यक्ति की मौत हो गई। दुकानदार बुरी तरह से झुलस गया। अन्य दुकानदार आग लगने पर वहां से भाग खड़े हुए। मौके पर दमकल विभाग की गाड़ी ने आग बुझा दी।

पलवल। शहर के ओल्ड जीटी रोड स्थित जेसीबी से खोदाई के दौरान पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) लाइन लीक होने के बाद लगी आग से झुलसकर चाय बेचने वाले दुकानदार की मौत हो गई। खोदाई जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा पानी की लाइन को ठीक करने के लिए की जा रही थी।

हादसे में चार दुकानें, जेसीबी, तीन दुपहिया वाहन भी जल गए। मौके पर पहंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मामले के बारे में जानकारी देते हुए शिव विहार के रहने वाले सतीश सिंगला ने बताया कि उनके भाई हरीचंद सिंगला ओल्ड जीटी रोड स्थित कृष्णा स्वीट्स के सामने चाय की दुकान चलाते थे। दुकान के सामने पानी की पाइपलाइन लीक



गैस की पाइपलाइन लीक होने के बाद अचानक धमाका

मंगलवार को इस पाइप लाइन लीकेज को ठीक करने के लिए जेसीबी खोदाई कर रही थी। इसका कार्य जनस्वास्थ्य विभाग करा रहा था। लाइन सही करने के बाद गड्ढे में मिट्टी डालने के दौरान जेसीबी से पीएनजी गैस लाइन टूट गई। इससे गैस की पाइपलाइन लीक होने लगी और अचानक धमाका हुआ।

लोग कुछ समझ पाते इतने में ही आग की तेज लपटें उठने लगी। उसके भाई व आसपास दुकानों में मौजूद दुकानदार और दुकानों पर आए ग्राहक अपना बचाव करने के लिए बाहर की तरफ भागे। उसी दौरान हरिचंद सिंगला जेसीबी से खोदे गए गड्ढे में गिर गए और आग में बुरी तरह झुलस गए। हादसे में उनकी मौत हो

फायर बिग्रेड की तीन गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे बाद पाया काबू

आग लगने से उनकी दुकान में लगा सिलेंडर भी तेज धमाके के साथ फटा। इनके अलावा दकानों में रखी बैटरियां में भी आग पकड़ गई और जलकर खाक हो गई। फायर बिग्रेड की तीन गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू पाया। आग पर कंट्रोल करने वाले सिलेंडर कामयाब नहीं हुए। तीन मंजिल दुकानों से ऊपर निकलती आग की लपटों को देखते हुए पुलिस (Palwal Police) ने जीटी रोड पर यातायात को रोक दिया।

हादसे से आसपास के दुकानदारों में दहशत फैल गई। आसपास के सभी दुकानदारों ने तुरंत अपनी दुकानों को बंद किया और मौके से चले गए। हादसे में बैटरी बेचने वाली दो. चाय बनाने वाली सहित चार दुकान जल गई। इसके अलावा जेसीबी मशीन, स्कटी और दो बाइक भी आग से जल गई। हादसे में दो व्यक्तियों के भी हल्के रूप से झुलसने की सूचना है।

पुलिस ने हादसे के बाद कही ये बात सूचना पाकर मौके पर पहुंचे जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार विशष्ठ, एसपी चंद्रमोहन, एसडीएम ज्योति ने पीएनजी सप्लाई करने वाली कंपनी के कर्मचारियों से पूछताछ की। पीड़ितों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। जिला पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन ने बताया कि मामले की जांच की

लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कडी कार्रवाई की जाएगी। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मृतक की बात सुनते तो नहीं होता हादसा हादसे के बाद गड्डे से निकालकर मृतक के शव को जिला नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए

सतीश सिंगला के अनुसार उनके भाई हरीचंद ने कार्य कर रहे कर्मियों से गैस लाइन होने की बात कहकर सावधानी से कार्य करने को कहा था। मगर उनकी किसी ने नहीं सुनी। हादसे के बाद पुलिस पूछताछ के लिए जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कछ कर्मियों को भी अपने साथ ले गई।

'डिस्कॉम की हो जांच' भाजपा सांसदों ने उपराज्यपाल से मिलकर की शिकायत



नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भाजपा नेता उपराज्यपाल वीके सक्सेना (VK Saxena) से मिलकर बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के खातों की जांच कराने की मांग की । भाजपा का आरोप है कि बिजली वितरण कंपनियों को दिल्ली सरकार अनुचित लाभ पहुंचा रही है।

यही कारण है कि डिस्काम पर दिल्ली सरकार के बिजली उत्पादन संयंत्रों का बकाया बढ़ता जा रहा है। उनकी विनियामक संपत्ति भी बढ़ रही है। इसका बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।

दिल्ली सरकार की 49 फीसदी हिस्सेदारी उनका कहना है, दिल्ली (Delhi News) की निजी वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) में दिल्ली सरकार की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल), बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल), बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल) एक ही दर पर उपभोक्ताओं को बिजली उपलब्ध

इसके बाद भी बीआरपीएल व बीवाईपीएल घाटें में और टीपीडीडीएल लाभ में है। बीएसईएस की दोनों कंपनियां दिल्ली सरकार की बिजली उत्पादन कंपनियां इंद्रप्रस्थ पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (आइजीपीसीएल) व प्रगति पावर कारपोरेशान लिमिटेड (पीपीसीएल) और डिस्कॉम के ग्रिड तक बिजली पहुंचाने वाली कंपनी दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड (डीटीएल) का बकाया नहीं दे रही है । बकाया 26638 करोड़ से अधिक हो चुका है ।

डिस्कॉम की नियामक परिसंपत्ति 21 हजार करोड़ रुपये पहुंची

उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार प्राकृतिक आपदा या अन्य अपरिहार्य स्थिति को छोड़कर डिस्कॉम नियामक परिसंपत्ति का दावा नहीं कर सकती है। दिल्ली में ऐसी स्थिति नहीं है, इसके बाद भी डिस्कॉम की नियामक परिसंपत्ति 21 हजार करोड़ रुपये पहुंच गई।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता, सांसद रामवीर सिंह बिधुड़ी योगेंद्र चांदोलिया, कमलजीत सिंह सहरावत व प्रवीन खंडेलवाल उपस्थित थे।

गजब हालः ग्रेप से पहले उखाड़ा प्रदेश का पहला एंटी स्मॉग टावर, मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने किया था लोकार्पण



परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए लगाया गया पहला एटी-स्मॉग टावर ग्रेप लागू होने से पहले ही हटा दिया गया है। इस कदम से पर्यावरणविदों ने सवाल उठाए हैं। टावर को ठीक करने के लिए हैदराबाद भेजा गया है और चार से पांच महीने में इसे फिर से लगाया जाएगा। आगे विस्तार से पढिए पुरी खबर।

नोएडा। वायु प्रदूषण को लेकर नोएडा प्राधिकरण कितना गंभीर है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ग्रेप लागु होने के पहले ही शहर में लगा प्रदेश का पहला एंटी स्मॉग टावर हटा दिया गया। टावर का तत्कालीन भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने 17 नवंबर 2021 लोकार्पण किया था।

शहर में अन्य जगहों पर भी इस तरह के टावर

कभी आंकड़ा नहीं हुआ सार्वजनिक

पर्यावरण विद विक्रांत तोंगड़ ने कहा कि इस टावर से एक किलोमीटर की परिधि में हवा की गुणवत्ता सुधारने का दावा किया जा रहा था। सेक्टर-16, 16 ए. 16 बी, 17 ए, 18, डीएनडी और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे की हवा में प्रदूषण घटा। टावर चाल होने के बाद बीच में भी कई बार बंद हुआ और चालू होता रहा है। कितने दायरे में कितनी हवा साफ की गई, ये आंकड़े भी सार्वजनिक नहीं किए।

ऐसे लगा था टावर

सेक्टर-16 ए में 400 वर्गमीटर पर लगाया गया था

ऊंचाई 20 मीटर आवरण का व्यास 4.5 मीटर आधार का व्यास 7 मीटर भार 37 मीट्रिक टन ध्वनि स्तर लेस देन 65 डीबी भूकंप डिजाइन अनुपालन जोन 4 फिल्ट्रेशन कण का आकार 2.5 तक यह था काम

प्लेटेड फिल्टर पीएम 2.5 तक के आकार के पार्टिकलेट मैटर के लिए

एक्टिवेटेड कार्बन फिल्टर वातावरण की हानिकारक गैस को साफ करने के लिए

इसके संचालन में हर साल करीब 17 लाख रुपये

टावर इसलिए लगाया गया था टावर को बीएचईएल (भेल) ने प्राधिकरण के साथ मिलकर 17 नवंबर 2021 में रिसर्च एंड डिवेलपमेंट के तहत करीब 4 करोड़ में लगवाया था। इसकी क्षमता एक किमी रेडियस की थी। यानी इस दायरे में वायु की गुणवत्ता स्धारने को पीएम-10 और 2.5 दोनों धुल के कणों को साफ करना था। जब टावर शुरू हुआ था, उस समय अधिकारियों ने कहा था कि इसे प्रयोग के तौर पर लगाया जा रहा है। अब जो बदलाव होने हैं, उसमें मुख्य रूप से फिल्टर पर काम होगा। इसके साथ ही हवा नीचे से खींचकर ऊपर की तरफ छोड़ी जाए या ऊपर से खींचकर नीचे निकाली जाए। इस पर भी निर्णय होगा।

गुरुग्राम में जमकर गरजा अथॉरिटी का बुलडोजर, तोड़े गए अवैध निर्माण; एसपीआर से हटाया अतिक्रमण

गुरुग्राम के सकतपुर में अवैध निर्माण पर जीएमडीए का बुलडोजर चला। एसपीआर और गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन पर भी अतिक्रमण हटाया गया। दो किलोमीटर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। सदर बाजार में दो दिन पहले हटाए गए अतिक्रमण फिर से लौट आए हैं। निर्माण स्थलों से उड रही धुल

पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 15 बिल्डरों को नोटिस भेजे हैं।

गुरुग्राम। गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) की एन्फोर्समेंट टीम ने सोमवार को सकतपुर क्षेत्र में किए जा रहे अवैध निर्माण पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की। इसके साथ ही एसपीआर और गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन पर अतिक्रमण हटाया। डीटीपी आरएस बाठ ने बताया कि सकतपुर में अवैध निर्माण को रोका नहीं जा रहा था टीम ने लगभग 60 मीटर लंबी चारदीवारी को ढहाने के साथ ही कॉलम भी तोड़े गए।

दो किलोमीटर क्षेत्र को कराया अतिक्रमण मक्त

इस दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा। इसके अलावा टीम ने एसपीआर गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। यहां पर टीम ने 15 खोखे, दो सर्विस स्टेशन और 30 टीन शेड को तोडने की कार्रवाई की और लगभग दो किलोमीटर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करवाया। बादशाहपुर चौक से सेक्टर 67 टी प्वॉइंट तक सोहना रोड भी अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया।

तोड़फोड़ के दो दिन बाद सदर बाजारमें हुआ अतिक्रमण

सदर बाजार में अतिक्रमण हटाने के लिए दो दिन पहले चले तोड़फोड़ अभियान का कोई खास असर नजर नहीं आ रहा है। बाजार में फिर से अतिक्रमण हो गया है। दुकानदारों ने दुकानों के आगे सामान रख

रेहड़ियों के बाजार की गलियों में खड़ा होने के कारण पैदल चलने का रास्ता भी नहीं बचा है। बाजार की 30 फुट चौड़ी गलियां छह से सात फुट में सिमट गई हैं। बाजार में आटो रिक्शा, दुपहिया वाहन से लेकर कारें और बड़े वाहन दिनभर घमते हैं। इसके कारण ग्राहकों को परेशानी होती है।

अतिक्रमण के कारण बाजार में

स्ट्रीट्स फॉर पीपल चैलेंज के तहत वर्ष 2021 में नगर निगम ने सदर बाजार को चलने योग्य बनाने और इसके सुंदरीकरण करने के लिए एक सप्ताह का ट्रायल किया

लगाए गए थे. लेकिन योजना इससे आगे नहीं बढी और बाजार व्यवस्थित नहीं हो पाया। बता दें कि बुहस्पतिवार शाम को जीएमडीए और नगर निगम की टीम ने सदर बाजार में अतिक्रमण हटाने के साथ ही अतिक्रमणकारियों के सामान को भी जब्त किया था।

कारपोरेशन एक्ट के अंतर्गत अतिक्रमण करने वालों के चालान काटने और दुकानों को भी सील करने का भी

प्रविधान है। अतिक्रमण के कारण सदर बाजार में दिनभर ट्रैफिक जाम रहता है। सदर बाजार में यह है परेशानी अतिक्रमण के कारण लोगों को पैदल

चलने की जगह नहीं मिलती है। ज्यादातर दुकानों के आगे वाहनों की अवैध पार्किंग रहती है।

नई स्ट्रीट लाइटें लगाने की जरूरत है। शौचालयों की सुविधा बेहतर करने की आवश्यकता है।

बाजार की सड़कें टूटी हुई हैं। सफाई व्यवस्था बदहाल है।

नियमानसार बाजारों में सबह के

अलावा रात को भी सफाई होनी चाहिए। इनविभागों की है अतिक्रमण हटाने

की जिम्मेदारी सेक्टरों और कालोनियों की आंतरिक सडकें निगम के अधीन हैं। निगम क्षेत्र के बाजारों में भी अतिक्रमण निगम को हटाना है। मख्य सडकों और ग्रीन बेल्ट से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जीएमडीए

हरियाणा सरकार ने लागू की नई नियमावली, वृद्धों को मिलेगा लाभ; पढ़ें पूरी डिटेल्स

हरियाणा सरकार ने वृद्धों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रिटायरमेंट हाउसिंग के लिए एक नई नियमावली लागू की है। इस नीति का उद्देश्य वृद्ध नागरिकों को सुरक्षित और सुसज्जित आवास सविधा प्रदान करना है जहां वें स्वतंत्र और गरिमामय जीवन जी सके। नियमावली में परियोजनाओं के लिए मापदंड अनिवार्य सेवाएं और सुविधाएं निरीक्षण और शिकायत निवारण प्रणालीँ विशेष प्रविधान और स्वीकृति प्रक्रिया का

नोएडा। गरुग्राम। हरियाणा सरकार ने वद्धों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रिटायरमेंट हाउँसिंग के लिए एक नई नियमावली लागु की है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण गुप्ता की तरफ से इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया

इस नीति का उद्देश्य वृद्ध नागरिकों को सुरक्षित और सुसज्जित आवास सुविधा प्रदान करना है, जहां वे स्वतंत्र और गरिमामय जीवन जी सके।

नियमावली का उद्देश्य बढती उम्र और एकल परिवारों के चलन को देखते हुए वरिष्ठ नागरिकों को ऐसी जगह की आवश्यकता है जहां वे अपने दैनिक जीवन में निर्भर न रहें। इस नियमावली के अनुसार रिटायरमेंट हाउसिंग परियोजनाओं को व्यावसायिक

और व्यवस्थित रूप से संचालित करना है ताकि वृद्ध नागरिकों के अधिकारों की सरक्षा की जा सके।

लगवाए जाने की बात कही गई थी। मौके पर लगाया

अधिकारियों की वायु प्रदुषण नियंत्रण करने की मंशा पर

हालांकि, नोएडा प्राधिकरण जन स्वास्थ्य विभाग के

महाप्रबंधक एसपी सिंह का कहना है कि टावर खराब हो

गया था। ठीक करने के लिए हैदराबाद भेजा गया है, जो

सीईओ की अनुमति के बाद ही हटाया गया है। लेकिन

टावर से सामने आए डेटा पर होगा रिसर्च

बताया कि टावर हटाकर ले जाए जाने की जानकारी

रिसर्च एंड डिवेलपमेंट प्रोजेक्ट था, जिसका परीक्षण

प्राधिकरण को आधिकारिक तौर पर दी जा चुकी है। यह

करने के लिए रिसर्च टीम के पास हैदराबाद भेजा गया है

लेकिन अभी यह बता पाना संभव नहीं है कि इस टावर

को दोबारा लगाया जाएगा या नहीं। अब इस टावर से

सामने आए डेटा पर रिसर्च होगा। नया टावर बनवाने

उधर, बीएचईएल (भेल) डीजीएम संतोष कुमार ने

चार से पांच माह में दोबारा लग जाएगा। यह टावर

शिलापट हटाने की बात पर चप्पी साध गए।

गया शिलापट भी हटा दिया गया है। पर्यावरणविद

विक्रांत तोंगड़ ने सवाल उठाकर प्राधिकरण

सवाल खड़ा किया है।

नियमावली के मापदंड

परियोजना केवल रिहायशी जोन में स्वीकृत होगी और इसका क्षेत्र 0.5 से 10 एकड के बीच होना चाहिए। साइट के लिए कम से कम 12 मीटर चौड़ी सडक़ से पहंच की सुविधा होनी चाहिए।

प्लानिंग और डिजाइन नियम

- अधिकतम एफएआर 225 तक की अनुमति है। - अधिकतम 40 प्रतिशत क्षेत्र ग्राउंड कवरेज किया

- कुल एफएआर का चार प्रतिशत हिस्सा दकानों के लिए हो सकता है जो केवल दैनिक जरूरतों को पूरा - किसी भी प्रोजेक्ट में 100 वर्ग मीटर का

भोजनालय, मेडिकल रूम, और 500 वर्ग मीटर का जिम, इंडोर गेम्स, और सामान्य कक्ष होना अनिवार्य है। अनिवार्य सेवाएं और सुविधाएं

- 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा, फिजियोथेरेपी, नर्सिंग सुविधा, और नजदीकी अस्पताल से आपातकालीन सेवाओं के लिए टाई-अप अनिवार्य है।

- सीसीटीवी, ट्रेंड गार्ड, और अलार्म सिस्टम की

- सभी अपार्टमेंटस में पावर बैकअप और

आवश्यक क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति का प्रबंध होन

- निवासियों के लिए सामदायिक सेवा में भाग लेने और एक दूसरे की मदद करने की संभावनाएं होंगी।

निरीक्षण और शिकायत निवारण प्रणाली - एक मानिटरिंग कमेटी का गठन होगा, जो परियोजना की समय-समय पर जांच करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि पालिसी के प्रविधानों का पालन हो

- आनलाइन पोर्टल पर आवासीय जानकारी और शिकायत दर्ज की जा सकेगी जिनका निपटान उपायुक्त या नगर निगम आयुक्त द्वारा किया जाएगा।

विशेष प्रविधान

- निवासियों, डेवलपर्स, और सर्विस प्रोवाइडर के बीच एक तीन पक्षीय करार अनिवार्य है ताकि सभी पक्षों के अधिकार और जिम्मेदारियां स्पष्ट हों।

रिटायरमेंट हाउसिंग परियोजनाओं पर रियल एस्टेट (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) अधिनियम, 2016 (रेरा) और हरियाणा अपार्टमेंट एक्ट 1983 के नियम

परियोजना की स्वीकृति और शुल्क

प्रोजेक्ट के लिए लाइसेंस शुल्क, ईडीसी (एक्सटर्नल डेवलपमेंट चार्ज) और भूमि परिवर्तन शुल्क भी अनिवार्य है जिसकी दरें सामान्य ग्रुप हाउसिंग



दिल्ली-NCR में गाड़ियों की रफ्तार पर लगी ब्रेक. कई जगहों पर भीषण ट्रैफिक जाम; देखें तस्वीरें



देवउटनी एकादशी पर शादी समारोह के कारण पीरागाढी रोहतक रोड पर यातायात जाम में फंसे वाहन।



मंगलवार की रात सिरहौल बॉर्डर से लेकर साइबर सिटी के शंकर तक दिल्ली– गुरुग्राम एक्सप्रेस- वे पर लगे जाम से वाहनों की लंबी कतारें नजर आई।

परिवहन विशेष न्यूज

देवउढनी एकादशी के कारण गाजियाबाद में मंगलवार को शादियों का बंपर सीजन है। इस वजह से शाम से ही कई जगह वाहन चालकों को जाम से जुझना पड़ा। दिल्ली और एनसीआर में जगह-जगह ट्रैफिक जाम देखने को मिला। ट्रैफिक पलिस ने पहले ही तैयारी कर ली थी और शहर के ऐसे इलाके जहां सबसे ज्यादा बैंक्वट हॉल हैं वहां अतिरिक्त ट्रैफिककर्मियों को तैनात किया गया है।

गाजियाबाद, गाजियाबाद जिले में मंगलवार को देवउठनी एकादशी (Dev Uthani Ekadashi 2024) के कारण शादियों का बंपर साया है। इस वजह से शाम से

ही कई जगह वाहन चालकों को जाम से जझना पडा। दिल्ली और एनसीआर में जगह-जगह टैफिक जाम देखने को मिला।

गाजियाबाद शहर में फार्म हाउस और बैंक्वट हॉल सबसे ज्यादा पांडव नगर, जीटी रोड, लाल कुआं और मेरठ रोड पर हैं। रात को इन स्थानों पर बारात चढ़ने के दौरान वाहनों का दबाव देखा जा रहा है।

मंगलवार रात शादियों के कारण वाहनों के दबाव की संभावना को देखते हुए यातायात पुलिस ने पहले ही तैयारी कर ली थी। शहर के ऐसे इलाके जहां सबसे ज्यादा बैंक्वट हॉल हैं वहां अतिरिक्त ट्रैफिककर्मियों को तैनात किया

इंदिरापरम में सीआईएसएफ रोड, पांडव नगर, जीटी रोड पर चौधरी मोड़ से भाटिया मोड के बीच, मेरठ रोड और लाल कआं के पास शादियों के दिनों में सबसे ज्यादा वाहनों का दबाव रहता है।

रात में बारात चढ़ने के दौरान यातायात भी बाधित रहता है। इस वजह से ट्रैफिककर्मियों की तैनाती इन स्थानों पर सबसे ज्यादा की गई। जिले में करीब 100 पुलिसकर्मियों को विभिन्न स्थानों पर शादियों के चलते वाहनों के दबाव को नियंत्रित करने के लिए लगाया गया।

मंगलवार का दिन वाहन चालकों के लिए परेशानी भरा रहा। दोपहर में वकीलों के हापुड़ रोड पर प्रदर्शन के कारण लागू किए गए डायवर्जन से करीब ढाई घंटे तक वाहन चालक जाम से जुझे दिखाई दिए। वहीं रात में देवउठनी एकादशी पर बंपर शादियों के कारण शहर की कई सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थमी रही।

74 बैंक्वट हॉल संचालकों को नोटिस

यातायात पुलिस (Traffic Police) ने जिले में 74 बैंक्वट हॉल और मैरिज होम संचालकों को दो दिन में नोटिस जारी कर व्यवस्था रखने के निर्देश दिए हैं। एडीसीपी यातायात पीयूष कुमार का कहना है कि संचालकों को अतिरिक्त मैनपावर लगाकर समारोह स्थल के बाहर यातायात सुचारू रखने के लिए कहा गया है।

जिन स्थानों पर पार्किंग हैं वहां वाहनों को सड़क पर न लगाने के निर्देश हैं। इसकी मॉनीटिरिंग भी की जाएगी। जिन संचालकों की लापरवाही पाई जाएगी उन मामलों में नियमानुसार कार्रवाई होगी।

बालकनी में रखे गमलों में युवक ने बोए थे विदेशी बीज, ऑनलाइन माल बेच हुआ मालामाल... पुलिस पहुंची तो खुल गया 'खेल'



परिवहन विशेष न्यूज

नर्इदिल्ली।ग्रेटर नोएडा के बीटा दो थाना क्षेत्र की पार्श्वनाथ पनोरमा सोसायटी के फ्लैट में एक शख्स विदेशी बीज मंगाकर पौधे उगा रहा

उसी पौधे को बेचकर वह मालामाल हो गया। लेकिन उसे यह सब ज्यादा दिन तक रास नहीं आया। पुलिस को जब उसके इस पुरे धंधे का पता चला तो वह सीधे सलाखों के पीछे पहुंच गया। आरोपी की पहचान मेरठ निवासी राहल चौधरी के नाम से

साधारण नहीं इस पौधे की कर रहा था खेती

दरअसल वह ऐसे-वैसे नहीं गांजा के पौधों की अपने फ्लैट के अंदर ही खेती कर रहा था। इसके लिए उसने अपने फ्लैट के अंदर ही पूरा सेटअप

बीटा-2 के पनोरमा सोसायटी में गांजा का पौधा उगाने का आरोपित गिरफ्तार हुआ है। उसने विदेश से गांजा के बीज मंगाए थे।

फ्लैट के अंदरही गमले में उगा रहा था पौधे

बीज को गमलों में बोकर पौधे तैयार किए थे। पुलिस के अनुसार एक पौधा तैयार होने में 110 दिन लगते हैं। वह गांजा तैयारकर डार्क वेबसाइट के माध्यम से बेचता था।

कौन है आरोपी राहल आरोपी राहुल चौधरी अंग्रेजी विषय से परास्नातक है। राहुल इंटरनेट का अच्छा जानकार है। पहले उसने इंटरनेट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से गांजा के पौधों की खेती

करनी सीखी। विदेशी वेबसाइट सीड्समैन के माध्यम से ऑनलाइन ऑर्डर कर गांजा के बीज को आयात किया। इस खरीद का भुगतान उसने पे-पाल एप

के माध्यम से किया। फ्लैट में लाइटों से की धूप की

राहुल ने अपने फ्लैट में एयर कंडीश्नर की मदद से फुल स्पेक्ट्रम

प्लांट ग्रोइंग लाइट की सहायता से गांजा के बीजों को गमलों में बोकर कर पौधे तैयार किए। इन्हीं लाइटों से वह पौधों के लिए जरूरी सुरज की रोशनी की आपूर्ति करता था।

पुलिस ने जानकारी दी कि बीज, खाद, रसायन, कीटनाशक, बिजली आदि की कुल लागत लगाकर एक पौधे पर करीब 05 से 07 हजार रूपये का खर्च आता था।

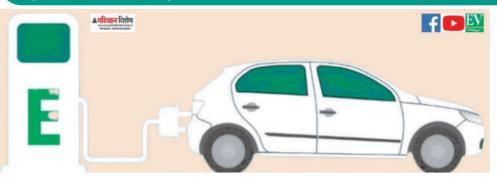
डार्क वेब पर तैयार कर रखा था मार्केट

एक पौधे से करीब 30 से 40 ग्राम गांजा प्राप्त हो जाता था। पुलिस ने बताया कि डार्क वेब पर जिसकी कीमत 60 से 80 हजार रुपये के बीच लगती थी।

राहुल ने डार्क वेब पर अपना गांजा बेचने का मार्केट तैयार कर लिया था। वह डार्क वेब के माध्यम से अपने ग्राहकों तक इसकी आपूर्ति करता था। यह काम करते हुए उसे करीब 4 महीने हए हैं।



इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा के एक मामले में रिफंड को लेकर खारिज की दाखिल याचिका



परिवहन विशेष न्युज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने माना कि 14 अक्टूबर 2022 से पहले खरीदे गए इलेक्ट्रिक वाहन के मालिक एकमुश्त कर के भगतान से छट देने वाली बाद की अधिसचना का हवाला देते

हुए कर वापसी की मांग नहीं कर सकते। हाईकोर्ट ने कहा कि छट के उद्देश्य के लिए निर्धारित शर्तें यह हैं कि इलेक्टिक वाहन नीति 2022 की अधिसूचना की तिथि से पूर्व इलेक्ट्रिक वाहन यपी में खरीदा और रजिस्टर्ड होना चाहिए। कोर्ट ने इसी के साथ याचिका खारिज कर दी।

याची अंकुर विक्रम सिंह ने याचिका में 13 अक्टूबर 2022 को नोएडा यपी से खरीदे गए अपने हाइब्रिड वाहन के संबंध में भुगतान किए गए एकमुश्त कर के वापसी की मांग की थी। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण और गतिशीलता नीति 2022 की अधिसूचना की तारीख यानी 14 अक्टूबर 2022 से खरीदे गए और रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कर से छट प्रदान करने वाली राज्य द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर याची ने भी राहत मांगी थी।

याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत किया कि चूंकि वाहन 18 अक्टूबर 2022 को रजिस्टर्ड किया गया था, भले ही वाहन नीति से एक दिन पहले खरीदा गया हो. याचिकाकर्ता धनवापसी का हकदार है। हालांकि राज्य के वकील ने तर्क दिया कि छूट अधिसूचना की भाषा के अनुसार अधिसूचना की तिथि यानी 14 अक्टूबर, 2022 से वाहन की 'खरीद और पंजीकरण' दोनों की

आवश्यकता है। यह तर्क दिया गया कि चंकि याचिकाकर्ता का वाहन उक्त तिथि से पहले खरीदा गया था. इसलिए याची रिफंड का हकदार नहीं है।

हाईकोर्ट ने कहा कि छूट के उद्देश्य के लिए निर्धारित शर्तें यह हैं कि इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2022 की अधिसूचना की तिथि से पूर्व यूपी में खरीदा और रजिस्टर्ड होना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा "बेशक, विचाराधीन वाहन याची द्वारा नीति 2022 की तिथि यानी 13 अक्टूबर 2022 से पहले खरीदा गया और उक्त तिथि को लाग कर का भगतान किया गया। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि उक्त नीति/अधिसूचना के तहत याची प्रदान की गई छूट का हकदार था।"

न्यायालय ने कहा कि केवल इस तथ्य के आधार पर कि वाहन 18 अक्टूबर 2022 को रजिस्टर्ड किया गया अर्थात छूट अधिसूचना में दर्शाई गई तिथि अर्थात 14 अक्टूबर 2022 के बाद याची रिफंड की मांग नहीं कर सकता।

भारत सरकार ईवी नीति में संभावित बदलावों के साथ एलन मस्क की टेस्ला और अन्य ईवी निर्माताओं को आकर्षित करने की योजना बना रही है: रिपोर्ट

इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनसार भारत सरकार कम आयात शुल्क पर प्रीमियम इलेक्टिक कारों के आयात में रुचि रखने वाली कंपनियों के लिए एक कार्यशाला आयोजित करके अपनी इलेक्ट्रिक वाहन आयात योजना में रुचि को पनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है। इस पहल का उद्देश्य फीडबैक एकत्र करना और योजना में सीमित रुचि के पीछे के कारणों को समझना है, जिसे शुरू में उच्च उम्मीदों के साथ लॉन्च किया गया

पिछले साल भारत ने आयात शुल्क में कमी करके उच्च-स्तरीय इलेक्ट्रिक वाहनों के आयात और स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए एक योजना शुरू की थी। इस कदम का उद्देश्य प्रमुख ईवी निर्माताओं, विशेष रूप से टेस्ला को आंकर्षित करना था, जिसने पहले आयात शुल्क कम होने पर भारतीय बाजार में प्रवेश करने में रुचि व्यक्त की थी। फिर भी इस योजना के प्रति प्रतिक्रिया अपेक्षा से कम उत्साहजनक रही है, जिसके कारण सरकार को एक बार फिर हितधारकों के साथ बातचीत करनी पड़ी।

रिपोर्ट के अनुसार सरकार इस महीने के अंत में इस योजना में रुचि रखने वाली कंपनियों के लिए एक कार्यशाला आयोजित करने की योजना बना रही है। यह कार्यशाला कंपनियों को योजना को बेहतर ढंग से समझने और फीडबैक देने के लिए एक मंच प्रदान

करेगी जो अंतिम नियमों को प्रभावित कर सकती है। यह परामर्श का दूसरा दौर होगा। पहला अप्रैल 2024 में आयोजित किया गया था और इसमें टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, हुंडई, बीएमडब्ल्यु और मर्सिडीज जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल थीं। भारत में टेस्ला के प्रतिनिधि, द एशिया ग्रुप ने भी उस बैठक में भाग लिया। इन प्रयासों के बावजुद केवल कुछ कंपनियों

ने ही इस योजना में भाग लेने में गहरी रुचि दिखाई है।

भारत में इलेक्ट्रिक पैसेंजर कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना (SPMEPCI) कंपनियों को कछ शर्तों के तहत कम टैरिफ के साथ इलेक्ट्रिक कारों का आयात करने की अनुमति देती है। कंपनियों को पांच साल में कम से कम \$500 मिलियन (लगभग ₹4,150 करोड़) का निवेश करना होगा, या तो ईवी फैक्ट्रियाँ बनाकर या ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करके। फर्मों को तीन साल के भीतर कम से कम 25% घरेलू मूल्य

संवर्धन हासिल करना होगा और इसे पाँच साल में बढ़ाकर 50% करना होगा। स्वीकृत कंपनियाँ सामान्य उच्च दर की तुलना में \$35,000 और उससे अधिक कीमत वाले वाहनों पर कम 15% सीमा शल्क पर इलेक्ट्रिक कारों का आयात कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त कंपनियाँ इस कम दर पर सालाना 8,000 इलेक्ट्रिक कारों का आयात कर सकती हैं, जिसमें अप्रयुक्त आयात भत्ते अगले वर्ष के लिए हस्तांतरित किए जा सकते

इन प्रोत्साहनों के बावजूद कुछ कंपनियों

ने उच्च निवेश और स्थानीयकरण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। सरकार को उम्मीद है कि आगे के परामर्श से यह स्पष्ट हो जाएगा कि कंपनियों को अधिक प्रोत्साहन की आवश्यकता है या नीति में समायोजन से भागीदारी बढ सकती है। टेस्ला और विनफास्ट जैसी प्रमुख कंपनियों द्वारा योजना के विकास पर नज़र रखने के साथ, सरकार की प्रतिक्रिया आने वाले वर्षों में भारत के ईवी परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर

भारत में पहली बार इलेक्ट्रिक 2 व्हीलर की सालाना बिक्री पहुंची दस लोख यूनिट के पास

परिवहन विशेष न्यूज

महाराष्ट्र 18% हिस्सेदारी के साथ ई-2 व्हीलर बिक्री में सबसे आगे है। वाहन डेटाबेस के अनुसार 01 जनवरी से 11 नवंबर 2024 की अवधि में बेचे गए कुल 10,00,987 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों में से महाराष्ट्र को इस साल का अब तक का सबसे अधिक बिक्री वाला राज्य होने का गौरव प्राप्त किया है।1.82.035 इकाइयों के साथ महाराष्ट्रकी 18.18% हिस्सेदारी है और यह उत्तर प्रदेश से 24,404 इकाइयों से आगे है।

उत्तर प्रदेश 1,57,631 इकाइयों के साथ चाल वर्ष के लिए राज्यवार ईवी बिक्री पार्क में दूसरे स्थान पर है और इसकी हिस्सेदारी 15.74% है। कर्नाटक 1,37,492 इकाइयों और 13.73% हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। इसके बाद तिमलनाडु 1,00,223 ई-2 व्हीलर और 10% हिस्सेदारी के साथ चौथे स्थान पर है। इन चार राज्यों को एक साथ जोड दें. जिनमें से प्रत्येक की बिक्री छह डिजिट में आंकड़ा है और उनकी कुल 5,77,381 इकाइयों के साथ उन्हें भारत के समग्रई-टू-व्हीलर बाजार का 57.68% हिस्सा आता है। पांचवें स्थान पर राजस्थान 67,301 इकाइयों के बाद, छठवें मे गुजरात 58,958, सातवें में केरल 58,772, आठवें में मध्य प्रदेश 54,918, नौवें में उड़ीसा 50,028 और दसवें स्थान पर आंध्र प्रदेश 41,902 इकाइयों के साथ

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री में 85% की सालाना वृद्धि;

1,82,035 Maharashtra Uttar Pradesh 1,57,631 1,37,492 Karnataka Tamil Nadu 1,00,223 Rajasthan 67,301 58,958 Gujarat Kerala 58,772 Madhya Pradesh 54.918 Odisha 50,028 41,902 Andhra Pradesh Delhi 29,692 29.043 Chhattisgarh West Bengal 19,601 Bihar 19.025 Haryana 17,033 Punjab 16,423 Jharkhand 8.837 6,546 Uttarakhand Puducherry 3,617 3,993 Assam

अपने-अपने राज्यों मे बिक्री दर्ज की

यह देखते हुए कि ई-2 व्हीलर सेगमेंट ईवी उद्योग के लिए सबसे बड़ा वॉल्यम मार्केट है और इस साल के पहले 315 दिनों में सभी वाहन खंडों में

1.68 मिलियन ईवी बेचे गए हैं, यह देखना बाकी है कि भारत ईवी इंक 2 मिलियन ईवी रिटेल मार्क के कितने करीब पहुंचता है। यह अपने आप में उद्योग के लिए एक नया रिकॉर्ड

ओला जनरेशन ३ प्लेटफ़ॉर्म जनवरी 2025 में होगी लॉन्च, इलेक्ट्रिक स्कूटर्स में होंगे बड़े बदलाव

ओला जनरेशन ३ प्लेटफ़ॉर्मको जनवरी २०२५ में लाने जा रही है। पहले इसके आने का समय मार्च से अप्रैल 2025 का था। इस दौरान ओला अपने पांच अतिरिक्त इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर को ला सकता है। जिसमें S1 सीरीज से लेकर दो नए सब–ब्रांड S2 और S3 होंगे। इसके साथ ही कंपनी ने साल 2025 तक 2000 स्टोर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी

नई दिल्ली IOla इलेक्ट्रिक अपने जनरेशन 3 प्लेटफॉर्म पर बेस्ट इलेक्ट्रिक स्कूटर पर काम कर रहा है । इन स्कटर की डिलीवरी का काम कंपनी जनवरी 2025 से शुरू करेगी। पहले यह समय सीमा मार्च से अप्रैल 2025 के बीच थी। इस दौरान कंपनी अपने पांच एक्स्ट्रा इलेक्ट्रिक स्कूटर को पेश करेगी, जो हाल में आने वाली S1 सीरीज से आगे बढ़कर दो नए सब-ब्रांड, S2 और S3 होंगे। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

जनरेशन-3 Ola इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म भारत में इस साल इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की पॉपुलैरिटी लोगों के बीच बढ़ी है। जिसकी वजह से इस साल इनके बिक्री पर भी असर देखने के लिए मिला है। जून 2024 में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री में 16.1 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर 2024 में 21.4 प्रतिशत पहुंच गई है। इसकी बिक्री सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और महाराष्ट्र में देखने के लिए मिला है। यहां पर एक लाख रुपये के मास मार्केट स्कूटर के लिए Ola मास और प्रीमियम दोनों सीरीज के ग्राहकों को पूरा करने के लिए नए मॉडल की पेश करने की गति को बढ़ाया है।

साल 2025 में पेश होंगे 5 इलेक्ट्रिक स्कूटर फाइनेंशियल ईयर के क्वार्टर-2 के नतीजों के बाद



Ola इलेक्ट्रिक ने एक विनियामक फाइलिंग में कहा कि वह अगले साल जनवरी में तय समय से पहले \$1 जनरेशन 3 प्रोडक्शन की डिलीवरी को शुरू कर देंगे। साथ ही अपनी जनरेशन 3 आर्किटेक्चर के हिस्से के रूप में पांट अतिरिक्त स्कूटर पेश करेगी, जो मौजूदा S1 सीरीज से आगे बढ़कर दो नए सब-ब्रांड, S2 और S3

S2 बांड तीन मॉडल पेश होंगे

साल 2025 में S2 ब्रांड के तीन मॉडल को पेश किया जाएगा। शहर के लिए सिटी मॉडल, लंबी दूरी के लिए टूरर और परफॉर्मेंस के शौकीनों के लिए स्पोर्ट्स मॉडल लाया जाएगा।S3 सब-ब्रांड दो मैक्सी-स्कटर, ग्रैंड एडवेंचर और ग्रैंड टरर का प्रीमियम सेगमेंट में पेश किया जाएगा। जनरेशन 3 मॉडल में चेसिस के भीतर एक एकीकृत बैटरी, मैग्नेटलेस मोटर और इलेक्टॉनिक देखने के लिए मिलेंगे। कहा जा रहा है कि इस नए डिजाइन से परफॉर्मेंश में 26 प्रतिशत सुधार और लागत में 20 प्रतिशत से अधिक की कमी देखने के लिए मिल सकती है।

साल 2025 में 2000 स्टोर तक पहुंचाने का लक्ष्य OLA इलेक्ट्रिक की इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में करीब 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसकी योजना मार्च 2025 तक अपने डिटेल नेटवर्क को 2000 स्टोर तक पहुंचाने की है, जो हाल में 782 है।

ओला, टीवीएस, बजाज, एथर की कितनी गाड़ियां बिकी Electric Two-Wheeler व्हीलर बनाने वाली Sales अक्टबर 2024 में इलेक्ट्रिक ट-

व्हीलर सेगमेंट की बिक्री में बंपर उछाल देखने के लिए मिला। इस दौरान सालाना और मासिक आधार पर गाड़ियों की बिक्री जमकर हुई है। सालाना आधार पर इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री 85.14% और मासिक आधार पर गाडियों की बिक्री 54.61% की वृद्धि देखने के लिए मिली है। इस लिस्ट में सबसे टॉप ओला इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली।इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट के लिए भारतीय बाजार अक्टबर 2024 में काफी बेहतर रहा। इस दौरान साल-दर-साल 85% की वृद्धि देखने के लिए मिली है। जिसमें ओला इलेक्ट्रिक, TVS मोटर और बजाज जैसी अग्रणी कंपनियों को काफी मुनाफा हुआ है। इनकी इलेक्ट्रिक गाडियों की बिक्री में बढ़ोतरी देखने के लिए मिली है। आइए जानते है कि कि कंपनी की कितनी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री हुई है।

फेस्टिव सीजन में खुब हुई बिक्री साल 2025 का अक्टूबर महीने में कई फेस्टिव ऑफर देखने के लिए मिले। जिसकी वजह से गाड़ियों की बिक्री में उछाल देखने के लिए मिला। इलेक्ट्रिक टु-व्हीलर सेगमेंट की बिक्री बढ़कर 1,39,159 यूनिट तक पहुंच गई,

जो एक लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर

कंपनियों की गाडियों की मासिक आधार पर बिक्री में बढ़ोतरी देखने के लिए मिली।वहीं, सालाना आधार पर इस सेगमेंट में कुछ कंपनियों की गाड़ियों की बिक्री में गिरावट भी देखने के लिए मिली है।

Electric 2W Sales Oct 2024: बिक्री में OLA टॉप पर

अक्टूबर 2024 में 1,39,159 युनिट की बिक्री के साथ सालाना और मासिक आधार पर

बढ़ोतरी देखने के लिए मिली। अक्टूबर 2023 में बेची गई 75,165 यूनिट की तुलना में सालाना आधार पर बिक्री में 85.14% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, सितंबर 2024 में बेची गई 90,007 यूनिट की तुलना में मासिक आधार पर 54.61% की बढ़ोतरी देखने के लिए मिली है।

• ओला इस सेगमेंट में सबसे आगे रही। पिछले महीने इसकी 41,651 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो अक्टूबर 2023 में बिकी 23,892 इकाइयों की तुलना में सालाना आधार पर 74.33% की बढ़ोतरी रही। वहीं, मासिक आधार पर ओला की इलेक्ट्रिक

गाड़ियों की बिक्री में 68.77% की वृद्धि हुई।

• अक्टबर 2024 में TVS मोटर ने मासिक आधार पर BAJAJ ऑटो को पछाडा। पिछले महीने TVS की बिक्री 29,915 युनिट रही, जो सालाना आधार पर 81.23% और मासिक आधार पर 65.20% की बढ़ोतरी रही। इसकी गाड़ियां अक्टूबर 2023 में 16,507 यूनिट और सितंबर 2024 में 18,108 यूनिट बिकी थी।

• अक्टूबर 2024 में बजाज ऑटो की बिक्री 28,232 यूनिट रही। यह बिक्री की आंकड़ा सालाना आधार पर 211.27% और

मासिक आधार पर 47.53% की बढ़ोतरी देखने के लिए मिली है।

• अक्टूबर 2024 में एथर एनर्जी की सालाना आधार पर और मासिक आधार पर बिक्री में बढ़ोतरी देखने के लिए मिला है। इसकी सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर एथर रिज्टा रही।

• हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में बढ़ोतरी देखने के लिए मिला है। इसकी सालाना आधार पर 277.49% की बढोतरी देखने के लिए मिली है। मासिक बिक्री की तुलना में 69.65%

कितने तरह की होती हैं हेड लाइट्स















जेनॉन या एचआईडी (हाई-इंटेंसिटी डिस्चार्ज) हेडलाइट्स इलेक्ट्रोड के बीच इलेक्ट्रिक आर्क बनाकर रोशनी पैदा करते हैं। ये बल्ब जेनॉन गैस से भरे होते हैं, जो उन्हें हैलोजन लाइट की तुलना में बहुत ज्यादा चमकदार बनाता है। वे बहुत चमक और साफ सफेद रोशनी पैदा करते हैं। जो रात की डाइव के लिए आदर्श हैं और हैलोजन की तुलना में ज्यादा ऊर्जा-कुशल हैं। ये

बल्ब हैलोजन की तुलना में ज्यादा समय तक चलते हैं, लेकिन इन्हें बदलने में बहुत अधिक खर्च होता है। अगर बीम को ठीक से एडजस्ट नहीं किया जाता है. तो इस तरह की रोशनी सामने से आने वाली ट्रैफिक को भी देखने में बाधा पैदा कर सकती है। जेनॉन लैंप को चालू होने के बाद पूरी चमक तक पहुंचने में थोड़ा समय लगता है। और इसे ऑपरेट करने के लिए एक अलग बैलेस्ट की जरूरत होती है।

एलईडी (लाइट एमिटिंग डायोड)

एलईडी हेडलाइट्स में छोटे, चमकीले एलईडी की एक सीरीज का इस्तेमाल किया जाता है। वे अपने लंबे जीवनकाल, चमक और एनर्जी एफिशिएंसी की वजह से तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। ये बल्ब कभी-कभी वाहन से भी अधिक समय तक चलते हैं। हालांकि अच्छी गणवत्ता वाले एलईडी बल्बों की शुरुआती लागत अधिक होती

है। और वे गर्मी के प्रति संवेदनशील होते हैं, जिसके लिए कुलिंग कंपोनेंट्स की जरूरत होती है। हेडलैंप हाउँसिंग में इन-बिल्ट होने पर इन सेटअप को हैलोजन लाइट की तुलना में बदलना ज्यादा जटिल होता है।

प्रोजेक्टर लाइट्स

प्रोजेक्टर हेडलाइट्स किसी खास तरह के बल्ब नहीं होते, बल्कि एक डिजाइन स्टाइल हैं। इसका मतलब एक लेंस हैं जो लाइट बीम को फोकस और निर्देशित करता है। यह सुनिश्चित करता है कि बीम ठीक उसी जगह जाए जहां इसकी आवश्यकता है। प्रोजेक्टर लाइट्स में हैलोजन, एलईडी या जेनॉन बल्ब हो सकते हैं। यह निर्माताओं को आने वाले ट्रैफिक के लिए चकाचौंध को कम करने और बाद में ट्रैफिक मानदंडों का अनुपालन करने की अनुमति देता है। हालांकि, इन बल्बों की सीमाएँ स्टैंडर्ड रिफ्लेक्टर हाउसिंग की तुलना में ज्यादा जटिल

और महंगी हैं। प्रोजेक्टर लेंस को बदलना कभी-कभी ज्यादा चुनौतीपूर्ण भी हो सकता है।

मैद्रिक्स लाइट्स

मैट्रिक्स हेडलाइट्स सबसे मॉडर्न एलईडी सिस्टम हैं। जिन्हें कई सेगमेंट में विभाजित किया गया है जो स्वतंत्र रूप से चालू या बंद हो सकते हैं। यह बीम को डायनैमिक रूप से आकार देने की अनुमति देता है। सेंसर अन्य कारों का पता लगाते हैं और अन्य ड्राइवरों के लिए चकाचौंध को रोकने के लिए बीम को ऑटोमैटिक तरीके से एडजस्ट करते हैं। जबकि बाकी क्षेत्रों को पर्याप्त रूप से रोशन करते हैं। ये सेटअप इंटेलिजेंट लाइट डिस्ट्रीब्यूशन के साथ बेहतर सुरक्षा की ओर ले जाते हैं। ये सेटअप ज्यादातर हाई-एंड कारों पर ही देखे जाते हैं और इनका निर्माण बहुत महंगा होता है। इस सिस्टम की सर्विसिंग भी उतनी ही जटिल है । और इसके लिए प्रशिक्षित इंजीनियरों के एक समूह की जरूरत होती है।

परिवहन विशेष न्यूज

कार में हेडलाइट बहुत महत्वपूर्ण कंपोनेंट होता है।शाम ढलते ही इसकी जरूरत सबसे ज्यादा हो जाती है। आजकल कारों में तरह-तरह की नई हेडलाइट्स देखने को मिलती हैं। हेडलाइट में बहुत तरह की टेक्नोलॉजी विकसित हो गई हैं। आज के जमाने के मॉडर्न वाहनों में पाई जाने वाले हेडलाइट्स में मैट्रिक्स, एलईडी, प्रोजेक्टर, जेनॉन और हैलोजन लाइट शामिल हैं। इनमें हर एक के अपने अनोखे फायदे, नुकसान और सर्वोत्तम उपयोग हैं।

हैलोजन लाइट

हैलोजन हेडलाइट्स सबसे पारंपरिक हैं और आमतौर पर कारों में पाई जाती हैं। वे एक फिलामेंट को गर्म करके रोशनी पैदा करते हैं और सामान्य बल्बों की तरह काम करते हैं। इस बल्ब का फायदा यह है कि वे सस्ती हैं और उन्हें बदलना आसान है। साथ ही वे हर जगह उपलब्ध और सस्ते पार्ट्स हैं। हालांकि इन बल्बों की सीमाओं की बात करें तो यह अन्य तरह के बल्बों की तुलना में कम चमक, कम लाइफ और उच्च ऊर्जो खपत और पीली रोशनी शामिल है। ये

सड़क को उतनी बढ़िया तरह से रोशन नहीं करती

जेनॉन एचआईडी लाइट

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का युग



प्लेटो, सुकरात और अरस्तू से लेकर पश्चिम में पुनर्जागरण और ज्ञानोदय तक, आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता के मद्देनजर मानव क्षमता की अवधारणा पर व्यापक रूप से विचार किया गया है। अब उत्तरी और ट्रांसह्यमिनस्ट विचारधारा में भी इस क्षमता को समझने की प्रक्रिया जारी है। पश्चिमी दार्शनिक रेने डेसकार्टेस का कहना है कि मैं हूं, क्योंकि मैं सोचता हूं या मैं सोचता हूं, इसलिए मैं हूं। मनुष्य की क्षमता में वृद्धि का कारण यह है कि मनुष्य लगातार सोचता रहता है। विचारों को सिद्धांतबद्ध करेंकरता है सिद्धांतों से लेकर अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए वह लगातार शोध में लगे रहते हैं। मानव क्षमता को अपने तरीके से समझाते हुए युवल नोआ हरारी अपनी किताब 'सेपियंस' में लिखते हैं कि इंसान का विकास होमो सेपियंस से हुआ है। अर्थ और कथा, कहानियों को रचने की इसकी भाषाई और संचार क्षमता ने इसे अन्य प्राणियों और जानवरों की दुनिया पर अपना अधिकार और प्रभुत्व स्थापित करने की क्षमता और शक्ति दी। होमो सेपियन्स में हर घटना को काल्पनिक बनाने की क्षमता थी।भाषा संचार उसे घटना विश्वासों और मिथकों को बनाने की क्षमता दी गई। भाषा के माध्यम से वह उन

बताता है जो वास्तव में घटित नहीं होती हैं। यह अपनी कल्पनाशील अंतर्दृष्टि के कारण ही है कि यह आज तक कायम है और कायम है। सेपियंस के पास भाषाई क्षमताएं थीं जो उन्हें एक-दूसरे के साथ संवाद करने की अनुमित देती थीं। संज्ञाक क्रांति के माध्यम से उन्होंने आपस में सहयोग पैदा करने के लिए कहानियों मिथकों, देवताओं और धर्म का आविष्कार किया और दुनिया के अन्य प्राणियों पर अपना प्रभृत्व और नियंत्रण बनाया। पश्चिम में ज्ञानोदय कालतब से ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों के स्तर पर कई क्रांतियाँ हुई हैं। पहली औद्योगिक क्रांति भाप इंजन के आविष्कार के साथ आई। दूसरी औद्योगिक क्रांति विद्युत ऊर्जा की खोज के साथ आई। तीसरी औद्योगिक क्रांति कंप्यूटर के आगमन के साथ हुई। वैश्विक स्तर पर आभासी और भौतिक उत्पादन प्रणालियों के आपसी सहयोग को लचीला बनाकर चौथी औद्योगिक क्रांति आई है, जिसमें स्मार्ट मशीनों को जोड़कर अधिक सटीक और सक्षम बनाया जा रहा है। पांचवीं औद्योगिक क्रांति ने मानवकेंद्रितवाद और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के साथ-साथ औद्योगीकरण को भी जारी रखासंरचनाओं के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इंटरनेट ऑफ एवरीथिंग, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डेटा, एल्गोरिदम, रोबोटिक्स और एनालिटिक्स के उपयोग के माध्यम से औद्योगिक उत्पादन बढ़ाना । अब छठी औद्योगिक क्रांति की भी बात हो रही है जिसमें पहले से निर्मित औद्योगिक संरचनाओं के आधार पर क्वांटम कंप्यूटिंग और नैनो टेक्नोलॉजी जैसी उन्नत तकनीकों का विकास किया जाएगा। पश्चिम में, विशेष रूप से यूरोप में, आधुनिकता की परियोजना में ज्ञानोदय कालमशीन ने मानव जीवन में पूरी तरह से हस्तक्षेप कर दिया है। इस युग में मशीन ने

स्वयं और संचार के प्रतिमानों में बड़े बदलाव लाये। इनमें मनुष्य केन्द्र में रहा। आधुनिकता के प्रति इस सोच की प्रतिक्रिया हाँ-केंद्रित थी। इसके विपरीत यहीं से व्हिगेज उत्तरआधुनिकतावाद ने सभी मानवकेंद्रित महाकाव्यों को खारिज कर दिया। इसमें कहा गया है कि इससे मानव स्व यानी मानवीय स्थिति में कुछ भी बदलाव नहीं आता है। इसके विपरीत मरणोपरांतवाद मानव स्व की स्थितियों को समझने में बदलाव लाता है। अब तक स्वयं की समझ मानवकेंद्रित रही है। ईमानवकेंद्रित दृष्टिकोण सदियों से मानव सोच और समझ पर हावी रहा है। यह गैर-मानवीय जीवन रूपों और प्राकृतिक इकाइयों को मानवीय हितों के नजरिए से देखता है। मरणोपरांतवाद एक दार्शनिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य है जो मानवतावादी विस्तारवाद को अस्वीकार करता है और मानव स्वयं की क्षमता को समझने के लिए मानव, मशीन, प्राकृतिक घटनाओं और संस्थाओं के बीच की सीमाओं को धुंधला करता है। मानवकेंद्रितवाद दुनिया को मुख्य रूप से मानवीय इच्छाओं और मूल्यों के संदर्भ में देखता है, यानी मनुष्य को ब्रह्मांड के केंद्र में रखता है।है इस दृष्टिकोण से, पर्यावरण विनाश, प्रजातियों के विलुप्त होने और सामाजिक असमानताओं में वृद्धि हो रही है। इसलिए, मानव विस्तारवाद को उत्तर-मानवतावादी दृष्टिकोण से चुनौती दी जा रही है जो मानवकेंद्रितवाद को अस्वीकार करता है। इसलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भविष्यवादी दृष्टि में एक अधिक समावेशी-परस्पर जुड़ा हुआ विश्वदृष्टिकोण उभर रहा है। इसके अंतर्गत ट्रांस-ह्यमनिज्म और पोस्ट-ह्यूमनिज्म वर्ग दृष्टिकोण जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एल्गोरिदम, डेटा-बिग डेटा आदि शामिल हैं।'माइंड-मशीन', आनुवंशिकी और साइबराइजेशन आदि के

माध्यम से आत्म-पहचान और मानव

विचार और चित्रण किया जा रहा है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स और इंटरनेट ऑफ एवरीथिंग और बिग डेटा और मेटा डेटा को समझने के लिए बड़े एल्गोरिदम की शक्ति एक प्रकार का नया पूंजीवाद है जो हमेशा अपनी गति और अस्तित्व के खिलाफ संघर्ष में

रहेगा, और चिंता को अवशोषित करने के बजाय, अप्रासंगिक हो जाएगा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में एक विचार यह भी है कि यह मानव भाषा और ज्ञान क्षमता को और अधिक बढ़ा/बढ़ाएगा और विस्तारित करेगा लेकिन इसकीप्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता. यह मनुष्य को अधिक जागरूक और सचेत कर देगी और उसे चुपचाप बैठने नहीं देगी क्योंकि वह मनुष्य के कई सवालों का जवाब देने में सक्षम होगी। मनुष्य बची हुई ऊर्जा का उपयोग अन्य बड़े प्रश्नों में कर सकेगा, लेकिन इसके विपरीत स्थिति यह भी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मनुष्य से प्रश्न नहीं कर सकती। उसकी कोई गर्लफ्रेंड नहीं है. यह सवालों के जवाब देने के लिए है. मनुष्य को सदैव पूछताछ का अधिकार रहेगा। जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानवीय क्षमताओं को काफी बढ़ाती और विस्तारित करती रहती हैयदि ऐसा हुआ तो इस समस्त घटनाक्रम में मानवीय संवेदना एवं ईमानदारी का स्थान सर्वोत्तम होगा । गुरु नानक साहिब ने इसे ₹धौलु धर्म दया का पुतु₹ कहा। संतोखु थापि राख्या जिनि सुति।'' कहा है। अंधेरी दुनिया, गहरे झूठ और उत्तर-सत्य के समय में, कृत्रिम बुद्धि के इस ज्ञान में, नैतिकता के साथ-साथ नैतिकता सबसे लोकप्रिय होगी। हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश कर चुके हैं। जो भाषा अपने मंच पर नहीं होगी, उसका अस्तित्व बनाये रखना कठिन ही नहीं, असंभव होगा।1



फरवरी, 2024 को, Google ने अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्लेटफ़ॉर्म Jamnai Pro जारी किया, जो आठ भारतीय भाषाओं जैसे हिंदी (60 मिलियन वक्ता), बंगाली (27 मिलियन वक्ता), मराठी (१ करोड़ वक्ता), तेलुगु (८ करोड़ वक्ता) को सपोर्ट करता है।), कन्नड़ (5 करोड़ वक्ता) को शामिल किया गया था, लेकिन दुनिया भर में 15 करोड़ लोगों की भाषा पंजाबी को शामिल नहीं किया गया था। ऐसा क्यों नहीं किया जाता? यह सभी पंजाबियों के लिए चिंता का विषय है। पंजाबी भाषा के इस मंच से बाहर होने के कई नुकसान हैं। किसी भाषा के भविष्य में अपना अस्तित्व बनायेंसुरक्षित और संरक्षित रहने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मंच पर जिंदा रहना जरूरी हो गया है। हालाँकि पंजाबी भाषा के भविष्य को लेकर सवाल है. लेकिन इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश नहीं किया जाना चाहिए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि गूगल अपने प्लेटफॉर्म 'जैमनाई प्रो' में पंजाबी को शामिल नहीं करता है क्योंकि कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ऐप्स ने पंजाबी को जोड़ा है और ऐसा कर रहे हैं। वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सबसे सफल और लोकप्रिय ट्रल ChatGPT ने पंजाबी भाषा में तहलका मचा दिया है। बादल 3.5 कृत्रिमइंटेलिजेंस सबसे शक्तिशाली मंच है जिसने शुरुआत से ही पंजाबी को अपने

3.5 मॉडल में शामिल किया है। फेसबुक और व्हाट्सएप की क्लाउड कंपनी 'मेटा एआई' में पंजाबी को शामिल करने पर काम चल रहा है। आने वाले समय में। गगल के जमनाई प्रो में पंजाबी भी शामिल होगी। इसका कारण यह है कि किसी भी मॉडल प्लेटफ़ॉर्म को किसी भी भाषा में महारत हासिल करने के लिए अपने डेटाबेस को बहुत बड़ा और समृद्ध

बनाना पड़ता है, जो उस भाषा की सामग्री की गुणवत्ता, विविधता और बहुमुखी प्रतिभा पर निर्भर करता है। इसलिए आप देखियेहो सकता है कि चैटजीपीटी सबसे पुराना टूल हो लेकिन कभी-कभी पंजाबी के संदर्भ में जब वह कुछ बनाती या तैयार करती है तो चौथी या पांचवीं कमांड के बाद वह थकने लगती है। इसका कारण यह है कि इसका डेटाबेस इतना विशाल नहीं है, लेकिन जब आप क्लाउड 3.5 से वहीं कार्य लेते हैं, तो इससे उत्पन्न होने वाली सामग्री अधिक समृद्ध होती है। तो यह कहा जा सकता है कि पंजाबी में एआई में विभिन्न प्लेटफार्मों के उत्पादन मानक और गुणवत्ता अलग-अलग हैं। अगर पंजाबी भाषा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का स्तर बढ़ाना है तोहमें पंजाबी भाषाविदों को अधिक से अधिक इंटरनेट-उन्मुख बनाना होगा और एक बहत बडा और शक्तिशाली डेटाबेस तैयार करना होगा, तभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित साहित्यिक कृति या कला अपनी विविधता और विविधता के साथ उपस्थित हो सकेगी। ध्यान देने वाली बात यह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित सभी ऐप और प्लेटफॉर्म और टल बाजार आधारित हैं। इसके व्यावसायिक पक्ष को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. सभी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियाँ, जो इन प्रौद्योगिकियों पर भारी मात्रा में पैसा निवेश कर रही हैं, का लक्ष्य लाभ कमाना है।है

पहले तो वे सभी प्लेटफॉर्म मुफ्त में उपलब्ध कराएंगे, जब उपभोक्ता आदी हो जाएंगे तो वे अपनी जरूरतों से पैसा कमाएंगे। भविष्य का बाज़ार कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित होगा। युवल नोआ हरारी अपनी पुस्तक होमो डेस में कहते हैं कि आने वाले मानव देवता वे होंगे जिनके पास सबसे बड़ा डेटाबेस और उनसे निपटने के लिए सबसे शक्तिशाली एल्गोरिदम होंगे, जो हर दिन बहुत तेजी से नए रूपों में बाजार में दिखाई देंगे भविष्य का डर अब अवशोषण नहीं है, बल्कि असंगत और अप्रासंगिक हो जाने का है। सभी ऐप्स पर उपकरणयह आवश्यकता पर निर्भर करेगा क्योंकि इन सभी का उपयोग करना होगा। आवश्यकतानुसार एवं उपयोग के अनुसार खरीदें। जितनी जल्दी आप खुद को भविष्य के लिए मानसिक रूप से तैयार करेंगे, उतना बेहतर होगा। कला-चित्रकला की दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का हस्तक्षेप भी दिन-ब-दिन व्यापक होता जा रहा है। 'मिडजर्नी' जैसे कई सॉफ्टवेयर प्रोग्राम हैं जो उपभोक्ता की मांग और दिशा को कला-पेंटिंग में बदल देते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप 'मिड जर्नी' से कहते हैं, तो मुझे समुद्र तट पर दो प्रेमियों की यह छवि चाहिए।बैठे...शाम का समय...घर लौटते पक्षी...चाहे इसकी शैली घनवाद हो...या दादावाद...यथार्थवाद...कला का समय पनर्जागरण हो या ज्ञानोदय...आदि। कछ ही मिनटों में 'मिडजर्नी' आपके निर्देशों को कला में बदल देगा। इसकी कोई कमी नहीं होगी. इसमें प्रकाश और रंगों का भरपूर उपयोग होगा, लेकिन इसमें पाब्लो पिकासो, वान गाग या पॉल गाग के हाथों की तरह कला सुजन के मानवीय स्पर्श का अभाव होगा। यही हाल संगीत की दुनिया का है. कृत्रिम बुद्धि वाला बूढ़ापुराने गायकों की आवाज में गाने दोबारा गाए जा सकते हैं. कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आगमन से साहित्य में बड़े बदलाव की आशंका है।

जेईई मेन की तैयारी शुरू करने का सही समय क्या है?

घटनाओं और मान्यताओं के बारे में भी

प्रत्येक जेईई अभ्यर्थी और उनके माता-पिता के मन में एक सामान्य प्रश्न चलता रहता है। प्रतिष्ठित आईआईटी सीट के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा और विशाल पाठ्यक्रम के साथ, जेईई उम्मीदवार अक्सर जेईई यात्रा के सबसे बुनियादी पहलू के बारे में भ्रमित और तनावग्रस्त हो जाते हैं। आपको अपनी जेईई की तैयारी कब शुरू करनी चाहिए? यदि आप, एक जेईई अभ्यर्थी या जेईई अभ्यर्थी के माता-पिता के रूप में, इसी प्रश्न का उत्तर ढूंढ रहे हैं, तो चिंता न करें; हम इस संबंध में आपकी शंकाओं का समाधान करने के लिए यहां हैं। कक्षा 9वीं जेईई की तैयारी शुरू करने का सही समय है जल्दी शुरुआत हमेशा फायदेमंद हो सकती है; यह आपको बढ़ती प्रतिस्पर्धा में बढ़त दिलाता है। अपनी जेईई की तैयारी जल्दी शुरू करने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं जो आपको अंक और रैंक हासिल करने में मदद कर सकते हैं जो आपको प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में सीट सुरक्षित करने में मदद कर सकते हैं।9वीं कक्षा से जेईई की तैयारी शुरू करना आपके लिए रचनात्मक हो सकता है। एक अच्छी शुरुआत आपको अपने जेईई पाठ्यक्रम के हर हिस्से को कवर करने के लिए पर्याप्त समय दे सकती है। आप भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के बुनियादी सिद्धांतों को कवर करते हैं, जिससे आप हर विषय और अवधारणा को विस्तार और गहराई से समझ सकते हैं। जल्दी तैयारी शुरू करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको सब कुछ ठूंस-ठूंसकर भरने की जरूरत नहीं है; बल्कि, आप विस्तार में जा सकते हैं, प्रत्येक अध्याय को धीमी गति से कवर कर सकते हैं, और संपूर्ण अभ्यास के माध्यम से विभिन्न प्रकार की समस्याओं को रणनीतिक रूप से हल करने में संलग्न हो सकते हैं। जल्दी शरुआत करने से आप मुख्य विषयों के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानने में सक्षम हो सकते हैं। यह आत्म-

जागरूकता महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपको उन विषयों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी अध्ययन योजना तैयार करने में मदद करती है जो आपको चुनौतीपूर्ण लगते हैं और साथ ही अपनी ताकत भी बढ़ाते हैं। इसके अतिरिक्त, अपनी जेईई की तैयारी जल्दी शुरू करने से आपको प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलती है। समय से पहले अवधारणाओं में महारत हासिल करके, आप अपनी स्कूली परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आपके भविष्य के लिए एक मजबृत शैक्षणिक नींव तैयार होती है। 9वीं कक्षा से जेईई की तैयारी शुरू करने के फायदेः अनुशासन सीखें: जल्दी शुरुआत करने से आपको नियमित रूप से अध्ययन करने और अपने समय का अच्छी तरह से प्रबंधन करने जैसी अच्छी आदतें विकसित करने में मदद मिलती है। सोचने के कौशल में सुधार करें: प्रारंभिक तैयारी आपको अधिक गंभीरता से सोचने और समस्याओं को बेहतर ढंग से हल करने में मदद करती है, जिससे आपको दूसरों पर बढ़त मिलती है। मजबूत बुनियादी बातें बनाएं: जल्दी शुरुआत करने से आप भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित जैसे विषयों की बुनियादी बातों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं, जिससे बाद में सीखना आसान हो जाता है। अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझें: प्रारंभिक तैयारी आपको अवधारणाओं को अधिक स्पष्ट रूप से समझने और उन्हें वास्तविक जीवन की स्थितियों में लागू करने में मदद करती है । परीक्षा रणनीतियाँ सीखें: ओलंपियाड में भाग लेने से आपको परीक्षा देने के विभिन्न तरीके सीखने में मदद मिलती है, जिससे आप जेईई के लिए अधिक तैयार हो जाते हैं। फोकस और आत्मविश्वास विकसित करें: जल्दी शुरुआत करने से आपको ध्यान केंद्रित रहने, बेहतर ध्यान केंद्रित करने और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं का सामना करने के बारे में अधिक आत्मविश्वास महसूस करने में मदद मिलती है। कई जेईई अभ्यर्थी उन्नत विषयों के लिए बेहतर

नींव बनाने के लिए शुरुआती शुरुआत देने के लिए कक्षा 9वीं या 10वीं में फाउंडेशन कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। क्या आप कक्षा 11 में अपनी जेईई तैयारी शुरू कर सकते हैं: हाँ, आप कर सकते हैं: कक्षा 11 में जेईई परीक्षा की तैयारी शुरू करना संभव है। अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकताः कक्षा 11 से शुरुआत करने के लिए अधिक प्रयास की आवश्यकता होती है क्योंकि पाठ्यक्रम बदल गया है, और कक्षा 11 के विषय परीक्षा का हिस्सा हैं। कई टॉपर्स जल्दी शुरुआत करते हैं: जेईई में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले अधिकांश छात्र 11वीं कक्षा में अपनी तैयारी शुरू करते हैं, जिससे उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। समय सीमाः आपके पास लगभग 18 महीने होंगेतीन विषयों की तैयारी करें: भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित, प्रत्येक में लगभग 30 अध्याय। अध्ययन अनुसूचीः इसका मतलब है कि आपके पास प्रत्येक अध्याय के लिए लगभग छह दिन होंगे, जिसमें अध्ययन करना, प्रश्नों का अभ्यास करना और दोहराना शामिल है, जो संभव है। फोकस और निरंतरताः आपकी तैयारी केंद्रित, सुसंगत और लक्ष्य-उन्मुख होनी चाहिए, खासकर क्योंकि कक्षा 12 बोर्ड परीक्षा, प्रैक्टिकल और असाइनमेंट जैसी अधिक चुनौतियाँ लाती है। जल्दी शुरुआत करना एक स्मार्ट कदम है। कक्षा 11 में अपनी जेईई की तैयारी शुरू करने का लाभ उठाने का सबसे अच्छा तरीका एक जेईई कोचिंग संस्थान में शामिल होना है जो विशेष रूप से आपके आईआईटी सपनों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया दो साल का कोचिंग कार्यक्रम प्रदान करता है। निष्कर्ष हम आशा करते हैं कि जेईई की तैयारी कब शुरू करें के संबंध में आपके प्रश्न और संदेह दूर हो गए होंगे। कक्षा 9वीं से अपनी जेईई की तैयारी शुरू करना आपको बढ़त और प्रतिष्ठित आईआईटी में सीट सुरक्षित करने की निश्चितता देने का सबसे अच्छा

एक ऐसी कार्यस्थल संस्कृति का निर्माण करना जो वास्तव में मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करती हो

ऐसे कार्यस्थल में जहां मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है, कर्मचारी आत्मविश्वास महसूस करेंगे, सुने जाएंगे, महत्व दिया जाएगा और समर्थित महसूस करेंगे 10 अक्टूबर को मनाए गए मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2024 का विषय ₹कार्यस्थल में मानसिक स्वास्थ्यर था। हालाँकि तब से एक महीना बीत चुका है पेशेवर क्षेत्र में बर्नआउट और दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, यह एक ऐसा विषय है जो वर्ष के हर समय प्रासंगिक रहेगा। जीवन में सर्वोत्तम सौदे हासिल करने की दौड़ इतनी भयंकर कभी नहीं रही और फिनिश लाइन को पहले छूने की प्रक्रिया में, हम परिवार, कार्यकर्ता और समाज के रूप में विघटित हो रहे हैं। हमारे कार्यस्थल टिक-टिक करते टाइम बम में तब्दील होते जा रहे हैं, जिनमें ढेर सारी घबराहटें खत्म होने का इंतजार कर रही हैं। हमारे सामने समय सीमाएँ मृत्यु रेखाओं में बदलती जा रही हैं। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति से गजरा है और एक ऐसा व्यक्ति जो बीमारी के दौरान काम में अच्छा प्रदर्शन करने की परीक्षाओं से गुजरा है, और अंत में छोड़ दिया गया है, मैं इतना निश्चित रूप से कह सकता हूँ: हम अधिक बात करते हैं और चलते हैं कम। हम कार्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य पर जो सक्रिय चर्चा कर रहे हैं, वह व्यावहारिक कार्यों और प्रतिक्रियाओं में तब्दील नहीं हो पा रही है। चाहे हम ख़राब कार्य स्थितियों का वर्णन करने के लिए विषाक्त या शत्रुतापूर्ण, या राजनीति शब्द का उपयोग करें, कार्यस्थानों और केबिनों पर बेचैनी की मात्रा मंडरा रही है। कर्मचारी अभी भी अपनी सीमाओं को परिभाषित करने और निर्णय या प्रतिशोध के डर के बिना चिंताओं को उठाने के लिए संघर्ष करते हैं। खुले संचार की यह कमी एक उत्सवपूर्ण माहौल बनाती है जहां मानसिक कल्याण प्रतिस्पर्धा, उत्पादकता और महत्वाकांक्षा से पीछे रह जाता है। इस अंतर को पाटने के लिए, मेरा मानना है कि प्रत्येक संगठन को एक मुख्य भावनात्मक खुफिया अधिकारी की आवश्यकता होती है - कर्मचारियों के मानसिक कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए एक समर्पित पेशेवर । यह व्यक्ति भावनात्मक मार्गदर्शन के लिए एक सलभ संसाधन के रूप में काम करेगा, एक सुरक्षित बंदरगाह बनाएगा जहां कर्मचारी नतीजों के डर के बिना अपनी मानसिक और भावनात्मक चुनौतियों के बारे में खुलकर बात कर सकते हैं। यह महत्वपूर्ण क्यों है ? क्योंकि कार्यस्थल में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे शायद ही कभी अलग-

थलग घटनाएँ होती हैं - वे इस बात से गहराई से जुडे होते हैं कि व्यक्ति कैसे बातचीत करते हैं, सहयोग करते हैं और अपनी भूमिकाओं के दबाव को कैसे संभालते हैं। सीईआईओ न केवल प्रत्यक्ष समर्थन प्रदान करेगा बल्कि एक ऐसी संस्कृति को भी बढ़ावा देगा जो सहानुभूति, लचीलापन और खुले संवाद को महत्व देती है। वे भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर कार्यशालाएँ आयोजित कर सकते हैं, सहकर्मी समर्थन नेटवर्क का प्रबंधन कर सकते हैं और संघर्ष के समय में मध्यस्थ के रूप में कार्य कर सकते हैं। कर्मचारियों को उनके संघर्षों को संबोधित करने के लिए भावनात्मक उपकरणों और सुरक्षित चैनलों से लैस करके, कंपनियां अधिक सामंजस्यपूर्ण और उत्पादक वातावरण बना सकती हैं। कार्यस्थल में एक मनोवैज्ञानिक या चिकित्सक कर्मचारियों के मुद्दों को संबोधित करने में अमूल्य होगा। शांत पीड़ा के बारे में सोचें: चिंता विकार वाले कर्मचारी जो बैठकों के दौरान बोलने से डरते हैं, अवसाद से ग्रस्त वे लोग जिन्हें समय सीमा को पूरा करना चुनौतीपूर्ण लगता है या वे जो कार्यस्थल की राजनीति के कारण लगातार तनाव झेल रहे हैं। जब ध्यान नहीं दिया जाता है, तो ये मुद्दे न केवल व्यक्ति को प्रभावित करते हैं - वे टीम की गतिशीलता को बाधित करते हैं, समग्र उत्पादकता को कम करते हैं, और उच्च क्षरण को जन्म देते हैं मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों को घर में लाकर, संगठन एक शक्तिशाली संदेश भेजते हैं: हम केवल एक कार्यकर्ता के रूप में नहीं, बल्कि एक संपूर्ण व्यक्ति के रूप में आपकी परवाह करते हैं। कार्यस्थलों में जो अभी भी खुले संचार को कलंकित करते हैं, एक सीईआईओ उदाहरण के द्वारा नेतृत्व कर सकता है, यह दर्शाता है कि मदद मांगना है एक ताकत, कमजोरी नहीं. एक ऐसे कार्यालय की कल्पना करें जहां तनाव से अभिभूत एक कर्मचारी गोपनीय बात रख सकेसुनने और सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित पेशेवर के साथ बातचीत। या जहां सहकर्मियों के बीच तनाव को पनपने देने के बजाय मध्यस्थता के माध्यम से हल किया जा सकता है। यह केवल मानसिक स्वास्थ्य के लिए ₹त्वरित सुधार₹ प्रदान करने के बारे में नहीं है - यह एक स्थायी, पोषित कार्यस्थल संस्कृति बनाने के बारे में है। यदि हम वास्तव में कार्यस्थल में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना चाहते हैं, तो अब समय आ गया है कि हम अच्छे अर्थ वाले शब्दों से आगे बढें और कार्रवाई योग्य कदम

डिजिटल प्रौद्योगिकियों का प्रभाव

विजय गर्ग

प्रौद्योगिकी हमारी दुनिया को अधिक निष्पक्ष, अधिक शांतिपूर्ण और अधिक न्यायपूर्ण बनाने में मदद कर सकती है। डिजिटल प्रगति 17 सतत विकास लक्ष्यों में से प्रत्येक की उपलब्धि का समर्थन और गति प्रदान कर सकती है - अत्यधिक गरीबी को समाप्त करने से लेकर मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करने, टिकाऊ खेती और सभ्य कार्य को बढ़ावा देने और सार्वभौमिक साक्षरता प्राप्त करने तक। लेकिन प्रौद्योगिकी गोपनीयता को भी खतरे में डाल सकती है, सुरक्षा को खत्म कर सकती है और असमानता को बढ़ावा दे सकती है। इनका मानव अधिकारों और मानव एजेंसी पर प्रभाव पड़ता है।पिछली पीढ़ियों की तरह, हम -सरकारें, व्यवसाय और व्यक्ति - के पास यह चुनने का विकल्प है कि हम नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग और प्रबंधन कैसे करते हैं।

सभी के लिए डिजिटल भविष्य? डिजिटल तकनीकें हमारे इतिहास में किसी भी नवाचार की तुलना में अधिक तेज़ी से आगे बढ़ी हैं - सिर्फ़ दो दशकों में विकासशील दुनिया की लगभग 50 प्रतिशत आबादी तक पहुँच गई हैं और समाज को बदल रही हैं। कनेक्टिविटी, वित्तीय समावेशन, व्यापार और सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच को बढ़ाकर, तकनीक एक

महान समतावादी हो सकती है।

उदाहरण के लिए, स्वास्थ्य क्षेत्र में, एआई-सक्षम अग्रणी प्रौद्योगिकियाँ जीवन बचाने, बीमारियों का निदान करने और जीवन प्रत्याशा बढ़ाने में मदद कर रही हैं।शिक्षा में, आभासी शिक्षण वातावरण और दूरस्थ शिक्षा ने उन छात्रों के लिए कार्यक्रम खोले हैं जो अन्यथा वंचित रह जाते। ब्लॉकचेन-संचालित प्रणालियों के माध्यम से सार्वजनिक सेवाएँ भी अधिक सुलभ और जवाबदेह बन रही हैं, और एआई सहायता के परिणामस्वरूप नौकरशाही का बोझ कम हो रहा है। बड़ा डेटा अधिक उत्तरदायी और सटीक नीतियों और कार्यक्रमों का भी समर्थन कर

हालांकि, जो लोग अभी भी इंटरनेट से नहीं जुड़े हैं, वे इस नए युग के लाभों से कटे हुए हैं और और भी पीछे रह गए हैं। पीछे छूटे हुए लोगों में से कई महिलाएं, बुजुर्ग, विकलांग व्यक्ति या जातीय या भाषाई अल्पसंख्यक, स्वदेशी समूह और गरीब या दूरदराज के इलाकों के निवासी हैं। कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में कनेक्टिवटी की गति धीमी हो रही है, यहां तक कि उलट भी रही है। उदाहरण के लिए, वैश्विक स्तर पर, इंटरनेट का उपयोग करने वाली महिलाओं का अनुपात पुरुषों की तुलना में 12 प्रतिशत कम है। जबकि 2013 और 2017 के बीच अधिकांश क्षेत्रों में

यह अंतर कम हुआ, यह सबसे कम विकसित देशों में 30 प्रतिशत से बढ़कर 33 प्रतिशत हो

एल्गोरिदम का उपयोग मानवीय और प्रणालीगत पूर्वाग्रहों को दोहरा सकता है और यहां तक कि उन्हें बढ़ा भी सकता है, जहां वे ऐसे डेटा के आधार पर काम करते हैं जो पर्याप्त रूप से विविधतापूर्ण नहीं है। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विविधता की कमी का मतलब यह हो सकता है कि इस चुनौती का पर्याप्त रूप से समाधान नहीं किया गया है।

कामका भविष्य

पूरे इतिहास में, तकनीकी क्रांतियों ने श्रम शक्ति को बदल दिया है: काम के नए रूप और पैटर्न बनाए हैं, दूसरों को अप्रचलित बनाया है, और व्यापक सामाजिक परिवर्तनों को जन्म दिया है। परिवर्तन की इस मौजूदा लहर का गहरा प्रभाव पड़ने की संभावना है। उदाहरण के लिए, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि हरित अर्थव्यवस्था में बदलाव से ऊर्जा क्षेत्र में संधारणीय प्रथाओं को अपनाने, इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग और मौजूदा और भविष्य की इमारतों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के माध्यम से 2030 तक वैश्विक स्तर पर 24 मिलियन नई नौकरियाँ पैदा हो सकती हैं।

इस बीच, मैकिन्से जैसे समूहों की रिपोर्ट

कर्मचारियों को चिंता है कि उनके पास अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी पाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण या कौशल नहीं है। इस बात पर व्यापक सहमति है कि इन प्रवृत्तियों को प्रबंधित करने के लिए शिक्षा के प्रति हमारे दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता होगी, उदाहरण के लिए, विज्ञान, प्रौद्योगिकी,

बताती है कि 2030 तक 800 मिलियन लोग

स्वचालन के कारण अपनी नौकरी खो सकते हैं,

जबिक सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अधिकांश

इंजीनियरिंग और गणित पर अधिक जोर देकर; सॉफ्ट स्किल्स और लचीलापन सिखाकर; और यह सुनिश्चित करके कि लोग अपने पूरे जीवनकाल में पुनः कौशल प्राप्त कर सकें और कौशल बढ़ा सकें। अवैतनिक कार्य, उदाहरण के लिए घर में बच्चों की देखभाल और बुजुर्गों की देखभाल, को बेहतर समर्थन की आवश्यकता होगी, खासकर वैश्विक आबादी की बदलती आयु प्रोफ़ाइल के साथ, इन कार्यों की मांग बढ़ने

डेटा का भविष्य

आज, कृषि, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं को ट्रैक करने और उनका निदान करने या ट्रैफ़िक को नियंत्रित करने या बिल का भुगतान करने जैसे दैनिक कार्यों को करने के लिए डेटा पूलिंग और एआई जैसी डिजिटल

तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इनका उपयोग मानवाधिकारों की रक्षा और उनका प्रयोग करने के लिए किया जा सकता है -लेकिन इनका उपयोग उनका उल्लंघन करने के लिए भी किया जा सकता है, उदाहरण के लिए, हमारी गतिविधियों, खरीद, बातचीत और व्यवहारों की निगरानी करके। सरकारों और व्यवसायों के पास वित्तीय और अन्य उद्देश्यों के लिए डेटा का खनन और दोहन करने के लिए

तेजी से उपकरण हैं। हालांकि, अगर व्यक्तिगत डेटा स्वामित्व के बेहतर विनियमन के लिए कोई सूत्र हो, तो व्यक्तिगत डेटा किसी व्यक्ति के लिए एक परिसंपत्ति बन जाएगा । डेटा-संचालित प्रौद्योगिकी में व्यक्तियों को सशक्त बनाने, मानव कल्याण में सुधार करने और सार्वभौमिक अधिकारों को बढ़ावा देने की क्षमता है, जो लागू किए गए सुरक्षा के प्रकार पर निर्भर करता है।

सोशल मीडिया का भविष्य सोशल मीडिया पूरी दुनिया की आधी आबादी को जोड़ता है । यह लोगों को अपनी आवाज़ उठाने और दुनिया भर के लोगों से वास्तविक समय में बात करने में सक्षम बनाता है। हालाँकि, यह नफ़रत भरे भाषण और गलत सूचना को एक मंच देकर या प्रतिध्वनि कक्षों को

बढ़ाकर पूर्वाग्रहों को मजबूत कर सकता है और

कलह पैदा कर सकता है।

इस तरह, सोशल मीडिया एल्गोरिदम दुनिया भर में समाज के विखंडन को बढ़ावा दे सकते हैं। और फिर भी उनमें इसके विपरीत

करने की क्षमता भी है। साइबरस्पेस का भविष्य

इन घटनाक्रमों का प्रबंधन कैसे किया जाए, यह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत चर्चा का विषय है, ऐसे समय में जब भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने विश्व शक्तियों के बीच 'बड़ी दरार' की चेतावनी दी है, जिनमें से प्रत्येक की अपनी इंटरनेट और एआई रणनीति है, साथ ही प्रमुख मुद्रा, व्यापार और वित्तीय नियम और विरोधाभासी भू-राजनीतिक और सैन्य दृष्टिकोण हैं। इस तरह का विभाजन एक डिजिटल बर्लिन की दीवार खड़ी कर सकता है। तेजी से, राज्यों के बीच डिजिटल सहयोग - और एक सार्वभौमिक साइबरस्पेस जो शांति और सुरक्षा, मानवाधिकारों और सतत विकास के लिए वैश्वक मानकों को दर्शाता है - को एकजुट दुनिया सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। डिजिटल सहयोग पर महासचिव के उच्च स्तरीय पैनल द्वारा 'डिजिटल सहयोग के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता' एक प्रमुख सिफारिश

नवबंर में दो दिन बंद रहेगा शेयर मार्केट, जानिए कब और क्यों नहीं होगी ट्रेडिंग

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय शेयर बाजार नवंबर में दो दिन बंद रहेगा। इन दोनों दिनों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) में टेडिंग नहीं होगी। अवकाश की वजह से इक्विटी कैपिटल डेरिवेटिव्स कमोडिटी डेरिवेटिव्स फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस करेंसी डेरिवेटिव्स और अन्य सहित किसी भी सेगमेंट में टेडिंग नहीं होगी। आइए जानते हैं कि इसकी क्या वजह है।

नर्इ दिल्ली।भारतीय शेयर बाजार में हर सप्ताह सोमवार से शक्रवार तक कारोबार होता है। शनिवार और रविवार को साप्ताहिक बंदी रहती है। साथ ही, त्योहार या कुछ अन्य खास मौके पर वीक-डेज में भी शेयर मार्केट में ट्रेडिंग बंद रहती है। नवंबर भी 2 ऐसे दिन हैं, जब वीक-डेज में भी अवकाश के चलते स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग नहीं होती। इन दोनों दिनों को ट्रेडिंग और सेटलमेंट से जुड़ी सभी ट्रांजेक्शन जैसे करेंसी डेरिवेटिव्स, फ्यूचर्स और ऑप्शंस, स्टॉक और कमोडिटी डेरिवेटिव्स बंद रहेंगी।

गुरु नानक जयंती पर बंद रहेगा

शेयर बाजार 15 नवंबर (शुक्रवार) को गुरु नानक जयंती की वजह से बंद रहेगा। गुरु नानक गुरुपर्व को गुरु नानक प्रकाश उत्सव भी कहा जाता है। यह सिख समुदाय के पहले सिख गुरु- गुरु नानक के जन्म का जश्न मनाता है। उन्होंने ही सिख धर्म की नींव रखी थी। इस मौके पर राष्ट्रीय अवकाश रहता है। इस दिन बैंक और अन्य सार्वजनिक संस्थान बंद रहते हैं। इस दिन शेयर बाजार में भी अवकाश

महाराष्ट्र चुनाव पर भी रहेगी बंदी

www.newsparivahan.com

स्टॉक मार्केट 20 नवंबर (बुधवार) को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के कारण बंद रहेगा। इस दिन राज्य 288 सीटों पर मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। महाराष्ट्र का भारत के सकल घरेल उत्पाद (GDP) में करीब 14 फीसदी का योगदान रहता है। इस नजरिये से भी महाराष्ट्र की अहमियत बढ़ जाती है।

दिवाली पर भी बंद था शेयर मार्केट 1 नवंबर को भी शेयर मार्केट दिवाली की वजह से बंद था। हालांकि, दिवाली पर एक घंटे का विशेष मुहुर्त ट्रेडिंग सत्र शाम 6:00 से 7:10 बजे तक आयोजित किया गया था। यह शेयर मार्केट की बरसों पुरानी

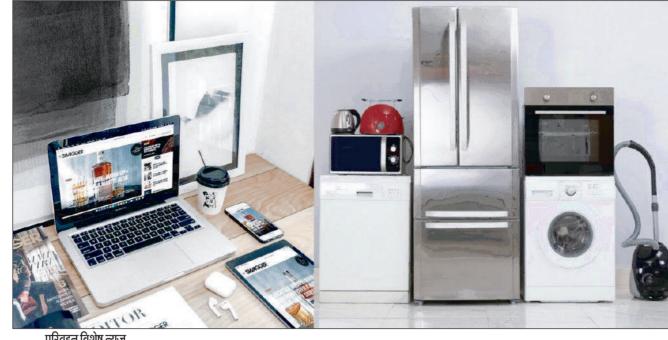
बाल दिवस पर नहीं रहेगी छुट्टी

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की 14 नवंबर को जयंती रहती है। इसे बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है इस दिन बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और कल्याण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दिया जाता है। हालांकि, इस दिन शेयर बाजार की छड़ी नहीं रहती और टेडिंग सामान्य रूप से जारी रहती है।

25 दिसंबर को भी बंद रहेगा

अगले महीने यानी दिसंबर में शेयर मार्केट साप्ताहिक अवकाश के अतिरिक्त 25 दिसंबर (बुधवार) को भी बंद रहेगा। उस दिन क्रिसमस रहेगा, जो ईसाई समुदाय का सबसे प्रमुख त्योहार है। इस दिन जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था। क्रिसमस दुनियाभर के अधिकतर देशों में मनाया जाता है और वहां सार्वजनिक अवकाश भी रहता है।

डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर हो रहा रूपया, भारत की इकोनॉमी पर क्या होगा असर?



परिवहन विशेष न्यूज

अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। इसकी बड़ी वजह इक्विटी मार्केट में FII यानी फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की बिकवाली है। आरबीआई की भी रुपये के प्रदर्शन बारीक नजर है। आइए जानते हैं कि रुपये में गिरावट का भारत के आयात और निर्यात के साथ ओवरऑल इकोनॉमी पर क्या असर पड़ेगा।

नर्इ दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति

चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के जीतने के बाद डॉलर के मकाबले रुपए में हो रही लगातार गिरावट से इलेक्टॉनिक्स. इलेक्टिकल्स व नॉन-इलेक्टिकल्स मशीनरी, फार्मा, केमिकल्स जैसे सेक्टर में मैन्यफैक्चरिंग लागत बढ़ने की आशंका गहरा रही है। मंगलवार को भी डालर के मुकाबले रुपए के मुल्य में गिरावट जारी रही और एक डालर का

इन सेक्टर में निर्माण से जडे अधिकतर कच्चे माल का आयात करना पड़ता है। रुपए में कमजोरी से पहले की तुलना में अब आयात के लिए अधिक

मुल्य 84.40 रुपए हो गया।

कीमत चुकानी होगी। दूसरी तरफ, पेटोलियम व खाद का आयात बिल बढ़ने से सरकार पर वित्तीय दबाव भी बढेगा।

सरकार खाद का आयात करके उसे काफी कम दाम पर किसानों को देती है। वैसे ही गैस सिलेंडर से लेकर ऊर्जा के कई अन्य माध्यम पर भी सरकार सब्सिडी देती है और आयात बिल बढ़ने से सरकार पर बोझ बढेगा। इससे निपटने के लिए सरकार अन्य मद के खर्च में कटौती कर सकती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट का निर्यात अधिक है या आयात? विशेषज्ञों के मृताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स

उत्पादन और निर्यात दोनों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. लेकिन अब भी इलेक्टॉनिक्स आइटम का आयात हमारे निर्यात से अधिक है। मोबाइल फोन समेत अन्य सभी इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम के कच्चे माल के लिए हम आयात पर

चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल-सितंबर में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 15.6 अरब डॉलर तो इलेक्ट्रॉनिक्स आयात 48 अरब डॉलर का रहा। वैसे ही इलेक्ट्रिकल और नॉन-इलेक्ट्रिकल मशीनरी का इस अवधि में 26 अरब डॉलर का आयात किया गया। फार्मा,

निर्भर है।

केमिकल्स से जडे कच्चे माल का भारी मात्रा में आयात किया जाता है। क्या निर्यातकों को रुपया गिरने से

फायदा होगा?

कच्चे माल की कीमत बढ़ने से उत्पादित वस्तुओं की कुल लागत बढ़ जाएगी और वह वस्तु घरेलू बाजार में महंगी हो सकती है क्योंकि निर्माता एक समय तक ही लागत में बढोतरी को बर्दाश्त कर सकता है। मैन्युफैक्चरिंग लागत बढ़ने से विदेशी बाजार में भी इन वस्तओं की प्रतिस्पर्धा क्षमता घटेगी और निर्यात प्रभावित होगा।

डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से निर्यातकों को फायदा होता है क्योंकि उन्हें डालर में भुगतान मिलता है। लेकिन फिलहाल देश के निर्यात का प्रदर्शन बेहतर नहीं चल रहा है। इसलिए निर्यातकों को भी रुपए में गिरावट का खास फायदा नहीं होने वाला है। चालु वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में निर्यात में मात्र एक प्रतिशत की बहोतरी रही। इस अवधि में आयात में छह प्रतिशत से अधिक का इजाफा रहा।

विदेश में पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता पर बढ़ेगा बोझ

रुपए में गिरावट से विदेश में पढ़ रहे बच्चों के माता-पिता पर आर्थिक बोझ बढ़ जाएगा। वे अपने बच्चों को मुख्य रूप से डालर में खर्च भेजते हैं और डालर में मजबती से उन्हें पहले के मकाबले अधिक भगतान करना पडेगा। हालांकि उन परिवारों को रुपए में कमजोरी का फायदा मिलेगा जिन्हें विदेश से उनके

महंगाई ने दिया जोर का झटका, 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची

परिवहन विशेष न्युज

अक्टूबर में खुदरा महंगाई 6.21 फीसदी पर पहुंच गई। यह महंगाई का 14 महीनों का उच्चतम स्तर है। सितंबर 2024 में खराब मौसम और सब्जियों के महंगे होने से रिटेल इन्फ्लेशन बढकर 5.49 फीसदी पर पहुंच गई थी। अक्टूबर में भी खाने-पीने की चीजों के दाम में उछाल दिखा जिसके चलते महंगाई दर में एक्सपर्ट के अनुमान से भी अधिक उछाल दिखा है।

नई दिल्ली। जनता को एक बार फिर महंगाई का बड़ा झटका लगा है। अक्टूबर में खुदरा महंगाई 6.21 फीसदी पर पहुंच गई। यह महंगाई का 14 महीनों का उच्चतम स्तर है। इससे पहले यह रिकॉर्ड अगस्त 2023 के नाम था, जब महंगाई 6.83 फीसदी के स्तर

सितंबर 2024 में खराब मौसम और सब्जियों के महंगे होने से रिटेल इन्फ्लेशन बढ़कर 5,49 फीसदी पर पहुंच गई थी। अक्टूबर में भी खाने-पीने की चीजों के दाम में उछाल दिखा, जिसके चलते महंगाई दर में एक्सपर्ट के अनुमान से भी अधिक उछाल

महंगाई के बास्केट में करीब 50 फीसदी योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महंगाई मासिक आधार पर 9.24 फीसदी से बढ़कर 10.87 फीसदी हो गई है। वहीं, ग्रामीण महंगाई 5.87 फीसदी से बढ़कर 6.68 फीसदी और शहरी महंगाई 5.05



फीसदी से बढ़कर 5.62 फीसदी हो गई है खतरे के निशान के पार पहुंची

सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को खुदरा महंगाई 4 फीसदी पर रखने की जिम्मेदारी है। इसमें 2 फीसदी घट-बढ़ हो सकता है। इसका मतलब है कि महंगाई अगर 2 से 6 फीसदी के दायरे में रहती है, तो यह केंद्रीय बैंक के लिए संतोषजनक आंकड़ा होता है।

लेकिन, इस दायरे के बाहर जाते ही महंगाई सरकार और आरबीआई के लिए चिंता का कारण बन जाती है। अब अक्टबर में महंगाई 6 फीसदी के पार पहुंच गई है। ऐसे में आरबीआई की चिंता बढी होगी और हो सकता है कि वह इस बारे में कोई उपाय भी करे। अमुमन, ऐसी परिस्थिति में केंद्रीय बैंक

ब्याज दर बढा देते हैं।

महंगाई कैसे बढती-घटती है?

यह पूरी तरह से डिमांड और सप्लाई का खेल है। अगर लोगों के पास ज्यादा पैसे रहेंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। इससे उन प्रोडक्ट की डिमांड बढ़ेगी और उसका असर कीमतों में उछाल के तौर पर दिखेगा। ऐसे में सप्लाई की भूमिका काफी अहम रहती है। अगर सप्लाई बढ़ेगी, तो डिमांड पूरी होने लगेगी और कीमतों में भी नरमी आएगी।

आसान शब्दों में, बाजार में पैसों का ज्यादा फ्लो से डिमांड बढ़ती है, जिससे महंगाई आती है। वहीं, डिमांड कम और सप्लाई ज्यादा होने की सूरत में महंगाई कम होगी। सरकार और आरबीआई इसी डिमांड और सप्लाई के बीच संतुलन बनाने का काम

मारत सरकार

औद्योगिक उत्पादन सचकांक के

भारत के औद्योगिक उत्पादन में सितंबर के दौरान 3.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसकी मुख्य वजह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सुधार था। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला कारखाना उत्पादन सितंबर 2023 में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। हालांकि, अगस्त 2024 में यह (-) 0.1 प्रतिशत पर नकारात्मक क्षेत्र में था।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकडों से पता चला है कि सितंबर 2024 के लिए खनन, विनिर्माण और बिजली में वृद्धि क्रमशः 0.2 प्रतिशत, 3.9 प्रतिशत और 0.5 प्रतिशत

म्यूचुअल फंड पर घट रहा भरोसा? स्टॉक में सीधे पैसे लगाने का क्यों बढ़ रहा चलन

THE FUNDS

इक्विटी म्यूचुअल फंड में अक्टूबर में रिकॉर्ड ४१८८७ करोड़ रुपये का निवेश हुआ। यह इक्विटी आधारित फंड में शुद्ध निवेश का लगातार ४४वां महीना रहा। इसे थीमैटिक फंड में मजबूत निवेश से बल मिला। इससे जाहिर होता है कि

ज्यादातर लोग मार्केट में गिरावट के बावजद अपनी एसआईपी जारी रखें हए हैं। हालांकि अब युवाओं में सीधे स्टॉक में पैसे लगाने का चलन भी बढ़ रहा

नई दिल्ली।इक्विटी म्यूचुअल फंड में अक्टूबर के दौरान 41,887 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश हुआ। यह मासिक आधार पर 21 प्रतिशत से अधिक की ग्रोथ है। इसे थीमैटिक फंड में मजबुत निवेश से बल मिला है। थीमैटिक फंडस एक प्रकार की म्यचअल फंड योजनाएं हैं, जो ग्रीन एनर्जी और टेक्नोलॉजी जैसे खास विषयों और टेंडों पर केंद्रित होती हैं।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के डेटा से पता चलता है कि यह इक्विटी आधारित फंड में शुद्ध निवेश का लगातार 44वां महीना है। इससे पता चलता है कि शेयर मार्केट में भारी गिरावट के बावजूद निवेशकों अपनी SIP जारी रखे हुए हैं।

कितना सही है?

कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड उद्योग में सितंबर में 71,114 करोड़ रुपये की निकासी के बाद अक्टबर में 2.4 लाख करोड रुपये का निवेश हुआ। डेट योजनाओं में 1.57 लाख करोड़ रुपये का निवेश इसकी प्रमुख वजह है। सितंबर में उद्योग के तहत प्रबंधित शुद्ध संपत्ति 67 लाख करोड़ रुपये थी जो अक्टूबर में बढ़कर 67.25 लाख करोड़ रुपये हो गई।

सीधे स्टॉक में पैसे लगा रहे नौजवान

नौजवानों का एक बड़ा हिस्सा म्युचुअल फंड के बजाय सीधे स्टॉक में निवेश करना पसंद करता है। फिनटेक ब्रोकरेज फर्म एंजेल वन की सब्सिडियरी फिन वन की रिपोर्ट के अनुसार, 93 प्रतिशत युवा लगातार बचत करते हैं और इनमें से अधिकांश अपनी मासिक आय का 20-30 प्रतिशत बचाते हैं।

करबी 45 प्रतिशत यवाओं ने फिक्स्ड डिपॉजिट या सोने जैसे पारंपरिक विकल्पों की तुलना में स्टॉक में पैसे लगाने को तरजीह दी। फिलहाल 58 प्रतिशत युवा भारतीय निवेशक शेयरों में निवेश करते हैं, जबकि 39 प्रतिशत म्यूचुअल फंड में। ब्रोकरेज फर्म ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि 22 प्रतिशत यवा फिक्स्ड डिपाजिट और 26 प्रतिशत आवर्ती जमा जैसे विकल्पों को अपनाया

इस रिपोर्ट में 13 से अधिक भारतीय शहरों के 1,600 से अधिक युवाओं के डाटा शामिल किया गया है और इसमें बचत व्यवहार, निवेश प्राथमिकताएं, वित्तीय साक्षरता और प्रौद्योगिकी व वित्तीय साधनों के उपयोग के चार प्रमख क्षेत्रों को बेंचमार्क माना गया है।

आपके PAN कार्ड के बंद होने का खतरा, जल्द करना होगा ये काम

परिवहन विशेष न्यूज

आयकर विभाग ने Pan-Aadhaar Link करने के लिए 31 दिसंबर 2024 की डेडलाइन दी है। अगर आपने 31 दिसंबर तक अपने पैन को आधार से लिंक नहीं कराया तो आपका पैन डीएक्टिवेट हो जाएगा। अगर आपने पैन को आधार से लिंक कर दिया है तब भी आपको एक बार जरूर चेक कर लेना चाहिए। आइए जानते हैं कि पैन-आधार लिंक स्टेटस चेक करने का तरीका।..

नईदिल्ली।आज PAN यानी परमानेंट अकाउंट नंबर ज्यादातर लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा है। खासकर, नौकरीपेशा और टैक्सपेयर्स का इसके बगैर काम ही नहीं चलता। यह वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने में भी सरकार की मदद करता

यही वजह है कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट लगातार गुजारिश कर रहा है कि लोग अपने पैन को आधार से लिंक कर लें। इसके लिए 31 दिसंबर. 2024 आखिरी तारीख तय की गई है। अगर आपने इससे पहले अपने पैन को आधार कार्ड से लिंक नहीं कराया, तो आपका पैन कार्ड डी-एक्टिवेट हो जाएगा। इससे लेनदेन के साथ अन्य मुश्किलें भी हो

पैन को आधार से लिंक करना जरूरी क्यों टेक्नोलॉजी के दौर में वित्तीय धोखाधडी के मामलों में भी काफी इजाफा हुआ है। कई फिनटेक

कंपनियों पर आरोप है कि वे कस्टमर प्रोफाइल बनाने के लिए अनधिकृत तरीके से पैन डिटेल का इस्तेमाल कर रही थीं। यही वजह है कि गृह

मंत्रालय ने पैन के जरिए पर्सनल डिटेल तक पहुंच

को सीमित करने का निर्देश दिया है, ताकि

व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग को रोका जा

आयकर विभाग ने सभी टैक्सपेयर्स के लिए पैन को आधार कार्ड से लिंक करना अनिवार्य कर दिया है। डेडलाइन से पहले दोनों को लिंक न करने पर आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा। इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं, जिसमें वित्तीय लेनदेन करने में कठिनाई भी शामिल है। इसलिए आपको अपने पैन-आधार लिंक का स्टेटस पता

क्या बंद हो सकता है आपका PAN?

कर लेना चाहिए। अगर आपका पैन आधार से लिंक नहीं है, तो उसे तुरंत लिंक कर लें।

पैन-आधार लिंक स्टेटस कैसे पता करें? आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल (www.incometax.gov.in) पर जाएं।

होमपेज पर 'क्विक लिंक्स' विकल्प पर



लिंक हुआ या नहीं?

• लिंक आधार स्टेटस पर क्लिक करें, पैन और आधार कार्ड नंबर दें।

अगर आपका पैन और आधार पहले से ही लिंक होगा, तो एक संदेश पॉप अप होगा- ₹आपका पैन पहले से ही दिए गए आधार से लिंक है₹। लेकिन, लिंक न होने की सुरत में पॉप-अप में लिखा होगा, ₹पैन आधार से लिंक नहीं है। कृपया वेबसाइट के बाएं तरफ क्विक लिंक्स अनुभाग के अंतर्गत दिखाई देने वाले 'लिंक आधार' पर क्लिक करें। आपको एक पेज पर ले जाया जाएगा, जहां आपको अपने पैन और आधार कार्ड के अनुसार आपको डिटेल दर्ज करनी होगी।

कितना लगेगा लिंक कराने का शुल्क

सरकार ने 30 जून 2023 तक पैन कार्ड को आधार से लिंक कराना फ्री रखा था। लेकिन, अब इसके लिए फीस देनी पड़ेगी। यह पहले 500 रुपये थी और अब 1 हजार रुपये हो गई है। इसका मतलब कि अगर आपको पैन कार्ड आधार कार्ड से लिंक करवाना है, तो फिर आपको 1 हजार रुपये लेट फीस या फिर फाइन के रूप में देने होंगे। आयकर विभाग भी टैक्सपेयर्स की पैन और

आधार लिंक करने में पूरी मदद कर रहा है। उसने पैन को आधार से जोड़ने की प्रक्रिया से जुड़े सवालों का जवाब देने के लिए एक FAQ पेज भी बनाया है। इससे आपको पूरे प्रोसेस को समझने में मदद

आंदोलन की आवाज़ें और समाधान की संभावनाएँ: एक राष्ट्र, एक परीक्षा का सवाल

आशीष कुमार, स्पेशल रिपोर्टर परिवहन विशेष

-त्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी विशेतियारी कर रहे हजारों युवा इस समय सड़कों पर हैं। वजह है उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) द्वारा घोषित परीक्षाओं का संशोधित शेड्यूल जो परीक्षार्थियों को असमानता और अन्याय का प्रतीक लगता है ।

आयोग ने RO-ARO और PCS प्रारंभिक परीक्षाओं को दो अलग-अलग शिफ्टों में कराने का निर्णय लिया है, और इसकी मूल वजह "नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया" को माना जा रहा है। लेकिन यह प्रक्रिया छात्रों के बीच असंतोष का कारण बन गई है, क्योंकि अलग-अलग शिफ्टों में परीक्षा आयोजित करने से प्रश्नपत्र का स्तर और कठिनाई भिन्न हो सकती है, जो सभी छात्रों को समान अवसर देने के सिद्धांत के खिलाफ माना जा रहा है।

UPPSC के फैसले के अनुसार, RO-ARO प्रारंभिक परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को तीन शिफ्टों में होगी, जबकि PCS प्रारंभिक परीक्षा 7 और 8 दिसंबर को दो शिफ्टों में कराई जाएगी। आयोग का कहना है कि इस प्रकार की व्यवस्था परीक्षा की गुणवत्ता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अनिवार्य है, और इसमें नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया लागु की जाएगी। आयोग के अनुसार, नॉर्मलाइजेशन एक स्वीकृत प्रक्रिया है जो परीक्षार्थियों के अंकों का निष्पक्ष मूल्यांकन सुनिश्चित करती है। आयोग के प्रवक्ता ने यह भी बताया कि देश की कई प्रमुख परीक्षाओं में यह प्रक्रिया

और न्यायालय ने भी इसे मान्यता दी

लेकिन छात्रों का कहना है कि यह प्रक्रिया भ्रष्टाचार को बढावा दे सकती है। उन्होंने कई

उदाहरण दिए हैं जहाँ नॉर्मलाइजेशन के नाम पर छात्रों के अंकों में हेरफेर की गई और प्रतियोगी परीक्षा का निष्पक्ष परिणाम प्रभावित हुआ। उनका यह भी कहना है कि अगर आयोग एक राष्ट्र, एक चुनाव के तहत पूरी व्यवस्था एकसाथ संभालने में सक्षम है, तो वह क्यों नहीं एक ही शिफ्ट में परीक्षा करवा

www.newsparivahan.com

*एकराष्ट्र,एकचुनाव'सेप्रेरणाः 'एकराष्ट्र,एकपरीक्षा'का सुझाव

आज जब सरकार 'एक राष्ट्र, एक चुनाव के संकल्प पर काम कर रही है, तब क्यों न छात्रों के लिए 'एक राष्ट्र, एक परीक्षा' की व्यवस्था भी की जाए? चुनावों में पूरे देश में एक ही दिन मतदान सनिश्चित करने के लिए गहन प्रबंध किए जाते हैं। करोड़ों लोग मतदान केंद्रों पर जाते हैं और इतनी बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती होती है। इसी तरह, कुंभ जैसे विशाल आयोजन के दौरान लाखों लोग संगम नगरी में एकत्र होते हैं और सुरक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से संभाली जाती है। फिर क्यों एक परीक्षा को एक ही शिफ्ट में कराना संभव नहीं हो सकता ?

पलिस और छात्र आमने-सामने: संवादकी कमी या प्रशासन की रणनीति?

प्रयागराज में आयोग के कार्यालय के बाहर पिछले कुछ दिनों से छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्र चाहते हैं कि उनकी बात सुनी जाए और परीक्षा को एक ही शिफ्ट में कराया जाए। लेकिन उनकी इस मांग को लेकर प्रशासन ने अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। पुलिस ने छात्रों को आयोग के मुख्यद्वार से दूर रखने के लिए कई बैरिकेड्स लगा रखे हैं और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पलिस बल भी तैनात किया गया है। लेकिन जब छात्रों ने पुलिस बैरिकेड को तोड़ने का प्रयास किया, तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

कई छात्रों का कहना है कि इस तरह की स्थिति को आसानी से टाला जा सकता था अगर सरकार और आयोग उनके साथ संवाद करता। यह न केवल छात्रों के गुस्से को कम कर सकता था, बल्कि सरकार और युवाओं के बीच दरी को भी पाट सकता था।

एकसुंदर दृश्यः अगर सरकार छात्रों से

कितना अच्छा होता अगर सरकार इन आंदोलनकारी छात्रों को बुलाकर उनसे बात करती।एक गर्म कप चाय और आश्वासन का एक छोटा सा संवाद कई समस्याओं को हल कर सकता था। सरकार के बड़े नेता इन छात्रों को अपने कार्यालय बुलाकर उनकी समस्या सुन सकते थे और उन्हें यह विश्वास दिला सकते थे कि उनकी समस्याओं का निवारण निष्पक्षता से होगा। यह एक ऐसा कदम होता

जो सरकार की संवेदनशीलता और लोकतांत्रिकता को और भी गहरा बनाता। आंदोलन की नैतिकताः क्या यह

जायजसवालनहीं है?

छात्रों का यह सवाल पुरी तरह जायज है कि अगर प्रशासन कुंभ के दौरान लाखों लोगों की सुरक्षा का प्रबंध कर सकता है, तो परीक्षा के लिए एक शिफ्ट का इंतजाम क्यों नहीं कर सकता ? क्या यह प्रशासन के संसाधनों की कमी है, या फिर प्रशासनिक इच्छाशक्ति का अभाव? यह भी प्रश्न उठता है कि जब सरकार 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' जैसे व्यापक स्तर पर कार्य करने की योजना बना सकती है, तो छात्रों की परीक्षाओं को लेकर समानता सुनिश्चित करने के लिए एक दिन का फैसला क्यों नहीं कर सकती?

अखिलेश यादव और अन्य राजनैतिकप्रतिक्रियाएँ

इस मुद्दे पर राजनीतिक जगत में भी प्रतिक्रियाएँ आ रही हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने छात्रों के इस आंदोलन का समर्थन किया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड कर रही है। उनका कहना है कि भाजपा सरकार के लिए यवाओं को नौकरी देने का कोई महत्व नहीं है और वह युवाओं को मजबूर कर रही है कि वे सस्ते श्रम के रूप में काम करें। अखिलेश का यह भी कहना है कि सरकार युवाओं के विरोध में इसलिए भी कदम उठा रही है क्योंकि वह नहीं चाहती कि युवा सरकारी नौकरियों में स्थान

आयोगका पक्षः सुरक्षा और गुणवत्ता

आयोग ने भी अपनी सफाई में कहा है कि परीक्षा की गुणवत्ता और सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है। उनका मानना है कि नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया से परीक्षाओं का स्तर निष्पक्ष रूप से मृल्यांकित होता है। इसके साथ ही, आयोग का यह भी कहना है कि परीक्षा केंद्रों को सुरक्षित और निष्पक्षता के मानकों के आधार पर चुना गया है, ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना न रहे।

आयोग ने यह भी बताया कि उसने छात्रों की सुविधा के लिए परीक्षा केंद्रों का चयन प्रमख शहरों में किया है, ताकि उन्हें आने-जाने में कठिनाई न हो। लेकिन इन तथ्यों के बावजूद, छात्रों का यह मानना है कि यह प्रक्रिया अभी भी असमानता को बढ़ावा देती

दोनो ही पक्ष आए हैं तैयारियों के

छात्रों का यह भी मानना है कि अगर सरकार और आयोग उनकी बातें सुनते तो शायद ये आंदोलन टल सकता था। इस समय छात्रों का एकमात्र उद्देश्य यह है कि परीक्षा को एक ही दिन और एक ही शिफ्ट में कराया जाए ताकि सभी को समान अवसर मिले। वहीं दूसरी ओर, आयोग अपनी नीतियों और प्रक्रियाओं पर अड़ा हुआ है। दोनों पक्ष अपनी-अपनी तैयारियों के साथ आमने-सामने खड़े हैं। "हम गर्दनों के साथ हैं, वो आरियों के साथ।" यह स्थिति निश्चित रूप से निराशाजनक है, क्योंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे की जरूरतों और समस्याओं को समझने में विफल हो रहे हैं।

शाह,योगी,माझी के हमले बाद चुनाव पूर्व झारखंड, बंगाल में ईडी के छापे



कार्तिक कुमार परिच्छा ,स्टेट हेड

जमशेदपर. झारखंड के सरायकेला जिले में अवैध बांग्लादेशी घसपैठ मामले में गृहमंत्री अमितशाह , ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन मांझी तथाँ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्य नाथ योगी द्वारा जोरदार हमले के बाद आज झारखंड और पश्चिम बंगाल में कई जगहों पर छापेमारी जारी है. जानकारी के मताबिक. झारखंड और पश्चिम बंगाल में 17 जगहों पर ईडी की टीम छापेमारी कर रही है. मामला झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़ा है. एजेंसी के मुताबिक, आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने बांग्लादेशी नागरिकों की कथित अवैध घुँसपैठ से जुड़े मनी लॉर्नड्रंग की जांच के सिलसिले में मंगलवार को पश्चिम बंगाल के अलावा चुनावी राज्य झारखंड में कई स्थानों पर छापेमारी की. जांच एजेंसी के झारखंड कार्यालय द्वारा दोनों पड़ोसी राज्यों में कुल 17 स्थानों पर छापेमारी की जा रही है.

बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में ईडी की टीम रांची, पाकुड और पश्चिम बंगाल के 24 परगना और कोलकाता रेड की. केंद्रीय एजेंसी ने मंगलवार सबह रांची के बरियातू स्थित होटल स्काई लाइन सहित 6 ठिकानों पर पहुंची और तलाशी लेना शरू कर दी. ईडी ने 16 सितंबर को झारखंड में बांग्लादेशी महिलाओं की तस्करी और संदिग्ध घसपैठ की जांच के लिए मनी लॉर्नडेंग के तहत मामला दर्ज किया था. ईडी का आरोप है कि यह कथित रूप से काले धन को उत्पन्न करने के लिए किया गया. ईडी ने पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया है. जहां एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला से मामला आरंभ हुआ था । सनद रहे कि कल केंद्रीय गृहमंत्री अमितशाह ने सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर ओडिसा के मुख्यमंत्री मोहन माझी एवं उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने एक स्वर में बांग्लादेशी घुसपैठियों पर पर हमलावर तरीके से चुनाव पर्व माहौल को गर्म कर दिया था . नतीजा यह हुआ आज झारखंड से लेकर बंगाल तक ईडी के ताबाड तोड़ छापे पड रहे हैं

वोट वाहिष्कार कर लोगों ने कहा विभाग व अभियंता ईडी का शिकार ,निविदा त्रृटिपूर्ण

नुआगांव सडक राजनगर प्रखंड देख जांच की मांग

सरायकेला। मूलभूत सुविधाओं, मौलिक अधिकारों से वंचित झारखंड के खरसावां विधानसभा क्षेत्र के नुआगांव पंचायत, टोला बागान साही की जनता द्वारा वोट वाहिष्कार हेतु चुनाव आयुक्त दिल्ली को भेजे गए आवेदन एवं पर्यवेक्षक को दिए गए उसकी प्रति पर सरायकेला प्रखंड विकास पदाधिकारी आज वोटर्स को समझाने नवागांव पहुंची । जहां संबंधित एजेंसी ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता एवं कनीय

कार्यशैली व निविदा पर लोगों ने

जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन एवं संबंधित विकास विभाग बागान शाही में रोड बनाने की आश्वासन जनता को दे रहे है पर जनता ग्रामीण कार्य विभाग के द्वारा निर्गत निविदा पर उल्टे प्रशासन को लाकर कठ घरे में खड़ा कर दिया है। लोगों का कहना है कि जिस कार्य पालक अभियंता अजय तिर्की की तरफ से उक्त निविदा निकली गई है उसके ठिकाने पर ईडी छापामारी कर चुकी है, भारी मात्रा में अवैध धनराशि जप्त हुई है।ऐसे में दागी



अभियंता एवं अधिकारी कैसे इस जिले मे दर्जनों की संख्या में हैं । विशेषकर अविकसित इलाका के लोग ऐसे में अचंभा है। इस कार्यपालक अभियंता के पास से छापामारी के दौरान पाए गए डायरी का कोड वर्ड का डिकॉर्ड किया गया है। जहां इंजीनियरों ने बतौर कमीशन 80 करोड रुपए वसूले जाने की बात ईडी कह चुकी है। इसके साथ संबंधित ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री आलम गीर आलम के करीबी यहां छापा पड़ने के बाद स्वयं मंत्री

जेल में बंद हैं। मजे की बात यह है कि चार-पांच वर्षों से खरसावां ,कुचाई में एक जगह कार्य करने वाले कनीय अभियंता का तबादला इस इलाके में कैसे कर दी गयी है। घोर आश्चर्य की बात है विश्वदीप बागे नमक इस अभियंता का तबादला एवं कार्यशैली उच्चस्तरीय जांच का विषय होते हुए भी सरकार मौन है ।। लोगों ने चनाव आयोग के प्रयास धमिल होने का अंदेशा लगाया है तथा उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज की हुई बैठक, बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा



नर्ड दिल्ली।दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज भावाधस (रजि०) भारत की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज दिल्ली प्रदेश के संयोजक डॉक्टर विपिन पिव्हाल ने की।

इस अवसर पर भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के राष्ट्रीय सर्वोच्च निर्देशक स्वामी चंद्रपाल आनार्यजी, राष्ट्रीय मुख्य संचालक विरोतम, शिव कुमार बिड़ला, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष वीरांगनी कांता बैन का सभी ने स्वागत भी किया।

इस मौके पर समाज से जुड़े कई मुद्दों पर जहां एक और चर्चा की गई, वही संगठन विस्तार पर जोर दिया गया और

वाल्मीकि प्रकट उत्सव पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग भी उठाई गई। साथ ही बैठक में कई लोगों ने ठेकेदारी प्रथा खत्म करो के नारे भी लगाए। साथ ही बुजुर्गों ने यह भी कहा कि हमारे समाज का इस देश में एक बड़ा तपका है, इसलिए हर राज्य से एक राज्यसभा सांसद होना चाहिए।

डॉक्टर विपिन पिव्हाल ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी को माननीय सर्वोच्च न्यायालय की ओर से 1 अगस्त 2024 को दिए गए आरक्षण में वर्गीकरण के निर्णय को तुरंत प्रभाव से पूरे देश में लागु करने के संबंध में पत्र भी दिया

डॉ विपिन ने कहा कि सभी को आदि धर्म का प्रचार करना है और हमें शिक्षा के महत्व को पहचाना है। उन्होंने समाज के लोगों से कहा कि हमे अपने बच्चों को शिक्षा अवश्य ही दिलानी है जिससे कि बच्चे पढ लिखकर समाज और देश का

धन्यवाद भी करता हूं और सभी से अपील करता हं कि सभी भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज का विस्तार करने में अग्रणीय भूमिका निभाएं।

नाम रोशन करें। मैं संगठन की ओर से

बैठक में आए हुए सभी गणमान्य लोगों का

इस मौके पर धर्म प्रचारक जगदीश वीर जीवन सिंह प्रभारी, रविंद्र जलोटा पूर्व अध्यक्ष, वीर श्रेष्ठ सुनील दत्त राष्ट्रीय लेखा निरीक्षक, वीर मामचंद जी केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य, वीर राजवीर सिंह मेहरौल, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य, सहित कई अन्य लोगों मौजूद रहे।

आम टकुआ मामला:पूर्ब केंद्रमंत्री बिशेश्वर टुडू का विजय को जवाब



भुबनेस्वरु: यह व्यक्ति कह रहा है कि वह बिना भोजन के आम टकुआ खा रहा है। यह एक अनुचित टिप्पणी है। वह रुचि के कारण एगुडा खा रहा है, हम मयूरभंज में विभिन्न प्रकार की चीजें खाते थे, इसका मतलब यह नहीं है कि हम कमी में खा रहे थे, यह सिर्फ रुचि थी। इसे कोई नहीं रोक सकता। वह रुचि के कारण एगुडा खा रहा है, हम मयुरभंज में विभिन्न प्रकार की चीजें खाते थे, इसका मतलब यह नहीं है कि हम कमी में खा रहे थे, यह सिर्फ रुचि थी। इसे कोई नहीं रोक सकता, उसने सोचा कि उन्होंने खा लिया उसकी बीमारी के लिए सरकार जिम्मेदार क्यों है? बात इसका राजनीतिकरण करने की नहीं है, बल्कि जो लोग इसका राजनीतिकरण कर रहे हैं, उन्होंने आदिवासी समाज पर कितना काम

भारत में जहर घोलने वाले यह लोग....

हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

विषैले बयानों से जहर उगलने वाले यह मौलवी या वर्ग विशेष समुदाय के नेता अपनी तकरीर में बयानों में इतनी नफ़रत को क्यों फैलाते हैं। कहीं खलिस्तानी चरमपंथियों व आतंकी पन्नू अयोध्या में श्रीराम मंदिर को उड़ानें की धमकी दे रहा है कहीं मौलाना तौकीर रजा रुह कांप जाएगी ऐसी धमकीं दें देता है। वहीं भोपाल में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में मंदिर जाने व पुजा करने वाले हिन्दू छात्रों को माफी नामा देना पड़ा। आग को लगने वाले क्या भारत का भला कर रहे हैं या अपनी कौम की । आपस में भाई भाई में दुश्मनी करवाने वाले समाज का भला चाहेंगे यह समझ से परे बात है। यह चिंतन का विषय है समाजिक संरचना गंगा जमुनी तहजीब को मिटाने वाले वह नाकारात्मकता की अंधी दौड़ में जनमानस को क्यों गुमराह कर रहे हैं। धर्म की अभिव्यक्ति संविधान के अनुरूप है तो फिर यह धर्म विशेष पद अधिकारी जो किसी भी एक धर्म की पैरवी करते हैं तो दुसरे धर्म के प्रति प्रेम व सौहार्द की बात क्यों नहीं करते। वह नफरत के साथ भारत में

जहर घोलने का काम वह कर रहे हैं। धर्म कोई भी हो वह हिंसा या किसी भी विचारों को उनकी आजादी को लगाम लगाने की बात नहीं करता है। तो फिर इस तरह का वातावरण क्यों बन रहा है भारत में। राजनीति के चश्मे में तो इस तरह का वैचारिक मतभेद होता रहा है पर किसी धर्म के संत महात्मा हो या मौलवी या मौलाना वह लोगों को जोड़ने की बात क्यों नहीं करते। देश में कहीं भी चुनाव आये तो वह राज्यों में इस तरह के अलगाव का पिटारा खोल देते हैं। ऐसे कई मौलाना है जो फिजा में अशांति का माहौल बनने की बात सोच रहे हैं पर भारत की आबोहवा में अहिंसा व शांति की बयार चलतीं है। सदियों से एकता व अखंडता की मिसालें दी जाती रही है। तो भी भारत मे यह जहर नापाक लोग घोल रहें हैं वह लोग कभी भी अपने मकसद में कामयाब नहीं होंगे। क्योंकि विजय विश्व तिरंगा प्यारा है भारत इसी की शान में हमेशा से सकारात्मक सोच के साथ विश्व में अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहा है और कुछ नाकारात्मक ताकतें धर्म समाज के नाम पर जहर घोल रहें हैं यह कभी भी कामयाब नहीं हो सकतें हैं।

राजनीति का एक ही रंग

राजनीति का एक अलग ही रंग हैं, देश के सभी नेता करते व्यंग्य हैं। कोई नल की टोटी ले जा रहा हैं, तो कोई लेकर जा रहा हैं कमोट! टीवी चैनल वाले भी करते प्रमोट।

राजनीति का एक अलग ही रंग हैं, देश के सभी नेता करते व्यंग्य हैं। पशुपति पारस नहीं जा रहें बनारस, राजनीति में नहीं रहा उनका रस! न रहें मंत्री, न रहा पद रहें तरस।

राजनीति का एक अलग ही रंग हैं, देश के सभी नेता करते व्यंग्य हैं। भतीजे को चढ़ा एन डी ए का रंग, ये चाचा अब हो गए सत्ता से बेरंग! अब सोच रहें जाऊ मैं किसके संग।

राजनीति का एक अलग ही रंग हैं, देश के सभी नेता करते व्यंग्य हैं। अब न तो पार्टी बची ना कार्यालय, सब सारथी जाने कहाँ किधर गए! ये तो महाबली हैं छत ही उडा गए।

संजय एम. तराणेकर



सहमा-सहमा आज*

सास ससुर सेवा करे, बहुएँ करती राज। बेटी सँग दामाद के, बसी मायके आज॥

कौन पूछता योग्यता, तिकड़म है आधार। कौवें मोती चुन रहे, हंस हुये बेकार॥

परिवर्तन के दौर की, ये कैसी रफ़्तार। गैरों को सिर पर रखें, अपने लगते भार॥

अंधे साक्षी हैं बनें, गूंगे करें बयान। बहरे थामें न्याय की, 'सौरभ' आज कमान॥

कौवे में पूर्वज दिखे, पत्थर में भगवान। इंसानो में क्यों यहाँ, दिखे नहीं इंसान॥

जब से पैसा हो गया, सम्बंधों की माप। मन दर्जी करने लगा, बस खाली आलाप॥

दहेज़ आहुति हो गया, रस्में सब व्यापार। धू–धू कर अब जल रहे, शादी के संस्कार॥

हारे इज्ज़त आबरू, भीरु बुज़दिल लोग। खोकर अपनी सभ्यता, प्रश्निचन्ह पर लोग ॥

अच्छे दिन आये नहीं, सहमा-सहमा आज। 'सौरभ' हुए पेट्रोल से, महंगे आलू-प्याज॥

गली–गली में मौत है, सड़क–सड़क बेहाल। डर-डर के हम जी रहे, देख देश का हाल॥

लूट-खून दंगे कहीं, चोरी भ्रष्टाचार॥

ख़बरें ऐसी ला रहा, रोज़ सुबह अख़बार।

मंच हुए साहित्य के, गढजोड़ी सरकार। सभी बाँटकर ले रहे, पुरस्कार हर बार ॥

नई सदी में आ रहा, ये कैसा बदलाव। संगी-साथी दे रहे, दिल को गहरे घाव॥

हम खतरे में जी रहे, बैठी सिर पर मौत। बेवजह ही हम बने, इक–दूजे की सौत॥

जर्जर कश्ती हो गई, अंधे खेवनहार। खतरे में 'सौरभ' दिखे, जाना सागर पार॥

थोड़ा–सा जो कद बढ़ा, भूल गए वह जात।

झुग्गी कहती महल से, तेरी क्या औकात॥ मन बातों को तरसता, समझे घर में कौन।

दामन थामे फ़ोन का, बैठे हैं सब मौन॥ हत्या–चोरी लूट से, कांपे रोज़ समाज।

रक्त रंगे अख़बार हम, देख रहे हैं आज॥

कहाँ बचे भगवान से, पंचायत के पंच। झुटा निर्णय दे रहे, 'सौरभ' अब सरपंच॥

योगी भोगी हो गए, संत चले बाज़ार। अबलायें मढलोक से, रह–रह करे पुकार॥

दफ्तर, थाने, कोर्ट सब, देते उनका साथ। नियम-कायदे भूलकर, गर्म करे जो हाथ॥

—डॉo सत्यवान 'सौरभ'

किया है ? इस मुद्दे पर विजय महापात्र ने सरकार छात्र ने मेट्रो स्टेशन पर लगा दी

छलांग, परिवार में मचा कोहराम

दिल्ली में एक छात्र ने मेटो स्टेशन पर छलांग लगा दी। वहीं आनन-फानन में मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उधर गाजियाबाद में एक दुष्कर्म पीड़िता ने भी आत्महत्या करने का प्रयास किया है। आगे विस्तार से

जानिए पूरा मामला क्या है। पूर्वी दिल्ली।दिल्ली में मयूर विहार मेट्रो स्टेशन पर सोमवार शाम में एक छात्र ने छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल अभिषेक को एलबीएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उधर, गाजियाबाद में एक दुष्कर्म पीड़िता ने भी आत्महत्या करने का प्रयास

पुलिस कर रही मामले की जांच छात्र ने खुदकुशी का प्रयास क्यों किया। इस बारे में पता नहीं चल सका है। यमुना बैंक मेट्रो थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि मेट्रो स्टेशन से नीचे एक युवक के कूदने की सूचना मिली थी। मयूर विहार थाना व मेट्रो पुलिस मौके पर पहुंची।

जांच में पता चला अभिषेक गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय में पढ़ाई करता था। वह अपनी दो बहनों के साथ मयूर विहार में रहता है। शाम 3 बजकर 58 मिनट पर मेट्रो स्टेशन पर पहुंचा और स्टेशन से सड़क पर कूद गया।

दुष्कर्मपीड़िता ने आत्महत्या करने का किया प्रयास

गाजियाबाद में क्रासिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में दुष्कर्म से आहत पीड़िता ने आत्महत्या करने के लिए सिंदूर पानी में घोलकर पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्वजन ने जब महिला से वजह पूछी तब पता चला कि पीड़िता के साथ दो परिचित युवकों ने दुष्कर्म किया है।

इस मामले में दो आरोपी गिरफ्तार इस मामले की शिकायत रविवार को पुलिस से की गई। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी वेव सिटी लिपि नगायच के मुताबिक रविवार को महिला के पति ने पुलिस से शिकायत कर बताया कि उनके परिचित सुमित और गौरव ने उनकी पत्नी के साथ दुष्कर्म किया है।

बताया गया कि परेशान होकर पत्नी ने शनिवार को सिंदूर पानी में मिलाकर घोलकर पी लिया। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। उनकी पत्नी का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला से जानकारी जुटाई। वहीं, सोमवार को पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क: 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की रिश्नित में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No:- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023